MASTER OF ARTS IN HINDI
M.A. (Hindi)

(OPEN AND DISTANCE LEARNING)

PROGRAMME PROJECT REPORT
(PPR)

DRONACHARYA-CENTER FOR ONLINE AND DISTANCE EDUCATION [D-CODE]
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY
KALYANPUR, KANPUR (UP)-208024
Accredited with Grade A++ by NAAC & UGC Category-I University

ABOUT THE UNIVERSITY

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University Kanpur, a premier landmark of higher education in Uttar Pradesh is named after the great social reformer Chhatrapati Shahu Maharaj also known as Rajarshi Shahu. It is a well-established and respected educational community where students of all backgrounds study and work together in a congenial and encouraging academic atmosphere. The university is geared to provide maximum scholastic benefit to each individual student and nurture them to achieve their full potential and evolve as a responsible global citizen

VISION

To enlighten and empower humanity by nurturing future leaders and change agents for universal development and societal transformation.

MISSION

To work towards sustainable excellence in global standards of academia, technology-centric learning, robust research ecosystem, institutional distinctiveness and harmonious social diversity.

OUR ALUMNI

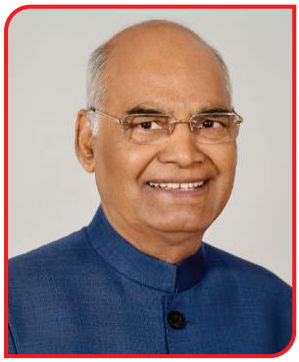

Shri Ram Nath Kovind
Former President of India

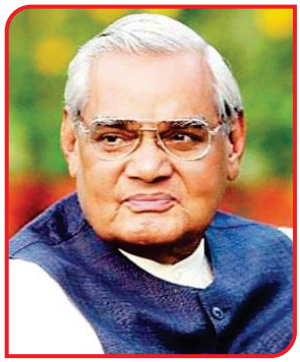

Bharat Ratna Shri Atal Bihari Bajpai
Former Prime Minister of India

Dr. Harsh Vardhan
Union Cabinet Minister

Shri Gopal Das Neeraj
Indian poet; Author of Hindi literature

Shri Ajeet Doval
National Security Advisor of India to Prime Minister

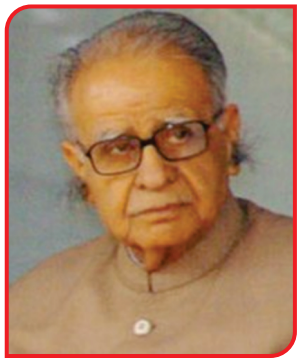

Shri T.N Chaturvedi
Governor of Karnataka & Comptroller & Auditor General of India

Shri Sanjay Kothari
Secretary to the President & Central Vigilance Commissioner

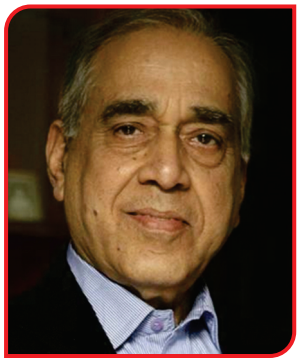

Shri Nripendra Misra
Principal Secretary to the Prime Minister of India

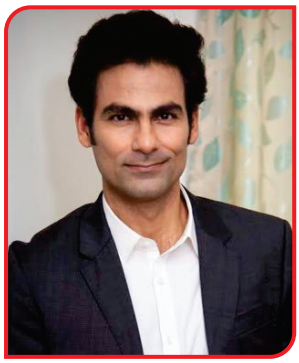

Shri Mohammad Kaif
Former Indian Cricketer

Shri David Dhawan
Director of Hindi films

Shri Abhijeet Bhattacharya
Indian Playback Singer

Shri Irshad Mirza
Indian Industrialist

परिचयः-
यह कार्यक्रम परास्नातक हिन्दी की उपाधि के निमित्त है, जो मुक्त दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। इस प्रणाली में, छात्रों को पारंपरिक विधि से कक्ष में उपस्थित हुए बिना ही दूरस्थ शिक्षा माध्यम से अध्ययन करने की सुविधा प्राप्त होती है। ऐसे कार्यक्रम प्रमुखतः कामकाजी, पेशेवरों या ऐसे व्यक्तियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए निर्मित किए जाते हैं जो नौकरी की प्रतिबद्धताओं, पारिवारिक ज़िम्मेदारियों या भौगोलिक बाधाओं जैसे विभिन्न कारणों से पूर्णकालिक, परिसर-शिक्षण-कार्यक्रम के लिए उपलब्ध नहीं हो पाते हैं। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदत्त श्रेणी 1 और NAAC द्वारा A^{++} की रैंक प्राप्त है। अतः विश्वविद्यालय छात्रों को कौशल विकास और भविष्य को उज्ज्वल बनाने का अवसर प्रदान कर रहा है। यह 2 वर्ष अर्थात् 4 सेमेस्टर का कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम उन छात्रों में साहित्य बोध के द्वारा मानवीय गुणों का विकास करने, संवेदनाओं की बेहतर समझ बनाने में अच्छा अवसर प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण:
सार्वभौमिक विकास और सामाजिक परिवर्तन के लिए शिक्षार्थियों को ज्ञानोदित करके मानवता को प्रबुद्ध और सशक्त बनाना।

विश्वविद्यालय का ध्येयः
अकादमिक क्षेत्र के वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रौद्योगिकी-केंद्रित शिक्षा, मजबूत अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र, संस्थागत विशिष्टता और सामंजस्यपूर्ण सामाजिक विविधता में स्थायी उत्कृष्टता की दिशा में काम करना।

1. कार्यक्रम का मिशन और उद्देश्य:
हिन्दी में परास्नातक हेतु दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम का लक्ष्य और उद्देश्य उन विविध प्रकार के शिक्षार्थियों की आवश्यकता की पूर्ति करना है जो हिन्दी में सहज, सुलभ, सुगम एवं उत्तम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अभिलाषा रखते हैं तथा जो किन्हीं कारणों से उच्च शिक्षण संस्थानों में, नियमित उपस्थित रह कर अध्ययन करने में असमर्थ हैं। इस लक्ष्य एवं उद्देश्य की पूर्ति हेतु क्रियमाण कर्म की प्रस्तावित रूपरेखा इस प्रकार है :

1.1 कार्यक्रम का मिशन:

परास्नातक हिन्दी के लिए दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रम का मिशन शिक्षार्थियों के विविध समुदाय को हिन्दी परास्नातक स्तर की सहज-सुलभ और उत्तम कोटि की शिक्षा प्रदान करना है, चाहे उनकी भौगोलिक स्थिति, सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि या पिछले शैक्षिक अनुभव कुछ भी हों।

1.2 कार्यक्रम का उद्देश्य:

एम.ए. हिन्दी के स्नातकोत्तर स्तर के इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी के विवेक को विस्तार देना तथा गहन अध्ययन एवं शोध जिज्ञासा का संवर्धन है। ज्ञान की शाखाओं के साथ वर्तमान विश्व को सजग, सृजनात्मक और संवेदनशील व्यक्तित्व की भी आवश्यकता है, जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता एवं विश्व बन्धुत्व की स्थापना कर सकें। साहित्य का अध्ययन इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि वह मानवता की स्थापना में मनुष्य का विश्वास दृढ करता है।

1.3 कार्यक्रम का परिणाम :

भाषा, आलोचना और काव्य शास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धान्तिक समझ को विस्तृत करता है, वहीं कविता-कला, नाटक, कथा साहित्य तथा अन्य सृजनात्मक विधाएं उन सिद्धान्तों को व्यवहारिक रूप से क्रियान्वित करने का मार्ग प्रशस्त करती हैं। इस प्रकार हिन्दी का यह पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सैद्धान्तिक और व्यावहारिक दोनों दृष्टि देता है। पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की आजादी देती है कि वह अपनी इच्छा से विभिन्न विषयों को पढ़ सके। एम.ए. हिन्दी का यह पाठ्यक्रम स्नातक के पश्चात् विद्यार्थी को गम्भीर अध्ययन के लिए प्रेरित करता है। इस पाठ्यक्रम के अनुशीलन से विद्यार्थी में संवेदनात्मक, आलोचनात्मक और शोधात्मक प्रवृत्ति का विकास होगा।

1.4 कार्यक्रम के सीखने के परिणाम (Program Learning Outcomes):

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिन्दी भाषा के प्रारंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा सकेगी।
- भाषा के सैद्धान्तिक पक्ष के साथ व्यावहारिक रूप को जाना जा सकेगा।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिन्दी भाषा को विषय एवं माध्यम के रूप में समायोजित किया जा सकेगा।
- छात्र हिन्दी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से जान सकेंगे।
- अनुवाद, कम्प्यूटर और सिनेमा जैसे विषयों को हिन्दी से जोड़कर पढ़ाने से व्यावसायिक कौशल का विकास होगा।
- हिन्दी के साथ भारतीय साहित्य एवं लोक साहित्य के अध्ययन-अध्यापन से छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होगा।
- साहित्य के माध्यम से सौन्दर्यबोध, नैतिकता, पर्यावरण जागरूकता एवं सामाजिक समरसता सम्बन्धी समझ विकसित होगी।
- साहित्य की विविध विधाओं के पठन-पाठन से विद्यार्थी को रचनात्मक लेखन की प्रेरणा मिलेगी।

- साहित्य विवेक का निर्माण करते हुए सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी के महत्व का बोध होगा।
- प्राचीन और नवीन प्रतिमानों के विश्लेषण से अपनी सामाजिक-सांस्कृतिक परम्परा का बोध होगा।

2. कार्यक्रम की प्रासंगिकता:

इस कार्यक्रम से जुड़ने वाले प्रत्येक छात्र को उत्तम शैक्षिक अवसर प्रदान करने, उनकी क्षमता का विकास करने और कर्तव्यनिष्ठ वैश्विक नागरिक बनने के लिए, उपयुक्त वातावरण उपलब्ध होगा। भारत में साक्षरता की अनिवार्यता को पहचानते हुए, विश्वविद्यालय सभी के लिए शिक्षा तक पहुँच का विस्तार करने के लिए समर्पित है। इस मिशन को ध्यान में रखते हुए, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर आगामी 2024-25 शैक्षणिक सत्र में द्रोणाचार्य मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा केंद्र (द्रोणाचार्य सेंटर ऑफ़ ओपन एंड डिस्टेंस एजुकेशन शुरू कर रहा है, जिसका लक्ष्य देश के हर कोने में अपनी सेवाओं को उपलब्ध करना है।

2.1 सुलभता और समावेशिता: सी०एस०जे०एम० विश्वविद्यालय का लक्ष्य शिक्षा को सुलभ और समावेशी बनाने का है। हिन्दी में मुक्त एवं दूरस्थ परास्नातक कला का कार्यक्रम (Open Master of Arts program in Hindi) इस लक्ष्य का प्रभावी ढंग से पूर्ण करने की सामर्थ्य रखता है । ऑनलाइन कक्षाओं, अंशकालिक अध्ययन और दूरस्थ शिक्षा जैसी लचीली एवं सीखने का सुगम अवसर प्रदान करने वाली पद्धति से, विद्यार्थियों की व्यापक आवश्यकताओं की प्रतिपूर्ति करने में सक्षम होगी; जो परिसर-आधारित पारंपरिक शिक्षण में आने वाली बाधाओं (यथा- स्थान, वित्त या व्यक्तिगत परिस्थितियों) से मुक्त सहज, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है।

2.2 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा: विश्वविद्यालय उच्च-स्तरीय शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करते हैं जो कि अकादमिक मानदंडों के अनुरूप हो और छात्रों को उनके इच्छित व्यवसायों में उपलब्धि के लिए तैयार करे। हिन्दी में एक सुलभ परास्नातक कला पाठ्यक्रम (मास्टर ऑफ आर्ट्स प्रोग्राम) के अध्ययन की चुनौतीयों का सामना करने के लिए विशेषज्ञ आचार्यों और व्यापक सहायता प्रणालियों एवं संसाधनों को प्रस्तुत करके इन मानकों को बनाए रखना है, जिससे छात्रों को पारंपरिक कार्यक्रमों के बराबर उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त हो सके।

2.3 आजीवन शिक्षा और सतत शिक्षा: सीखना और सिखाना मानव जीवन की सतत् और आजीवन चलने वाली प्रक्रिया का नाम है। उच्च शिक्षण संस्थान इस दार्शनिक वाक्य से अभिप्रेरित है। इसी क्रम में सी०एस०जे०एम० विश्वविद्यालय भी हिन्दी परास्नातक के

मुक्त एवं दूरस्थ पाठ्यक्रम को सुलभ शिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा बनाकर व्यवहार के धरातल पर लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार निर्मित है कि शिक्षार्थियों के बड़े वर्ग को समायोजित किया जा सके, ताकि व्यवसाय और अध्ययन को संतुलित करने वाले पेशेवर, गैर-पारंपरिक छात्र और निरंतर सीखने के लिए प्रतिबद्ध लोगों को सुलभ और अनुकूल शैक्षिक वातावरण प्राप्त हो सके।

2.4 सामुदायिक जुड़ाव और आउटरीच: विश्वविद्यालय अक्सर अपने आस-पास के समुदायों से जुड़ने और सामाजिक प्रगति में भूमिका निभाने का लक्ष्य रखते हैं। हिन्दी में एक सहज व सुलभ एम.ए. कार्यक्रम के माध्यम से, विश्वविद्यालय स्थानीय लोगों, समूहों और क्षेत्र के नीति निर्माताओं को शैक्षिक संसाधन, विशेषज्ञता और शोध के अवसर प्रदान करके सामुदायिक भागीदारी और आउटरीच प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग ले सकता है। यह सहयोग विश्वविद्यालय के विस्तारित समुदाय के भीतर सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और समग्र साहित्यिक-सामाजिक विकास को प्रोत्साहित कर सकता है।

2.5 अनुसंधान और नवाचार: विश्वविद्यालय अनुसंधान और नवाचार को बहुत महत्व देता है। हिन्दी में परास्नातक कला (मास्टर ऑफ आर्ट्स) कार्यक्रम शोध को बढ़ावा देकर, अन्तर्विषयी अनुसंधान साझेदारी को प्रोत्साहित करके और बहु-विषयक क्षेत्र में अनुसंधान हेतु सामग्रियों को साझा करने की सुविधा प्रदान करके इस लक्ष्य में योगदान दे सकता है। यह कार्यक्रम विचारों के आदान-प्रदान, नवाचार को बढ़ावा देने और ज्ञान उत्पन्न करने के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य कर सकता है, इस प्रकार सामाजिक समझ और अनुप्रयोग की प्रगति में सहायता कर सकता है। संक्षेप में, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में हिन्दी में एक ओपन मास्टर ऑफ आर्ट्स प्रोग्राम शैक्षिक पहुंच को बढ़ाने, निरंतर सीखने और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने, अनुसंधान और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने और शैक्षणिक विशिष्टता और सामाजिक प्रगति के विश्वविद्यालय के व्यापक उद्देश्यों का समर्थन करने की क्षमता से युक्त है।

3. शिक्षार्थियों के भावी लक्ष्य समूह की प्रकृति:

हिन्दी में मुक्त परास्नातक कला का कार्यक्रम शिक्षार्थियों के पारंपरिक कार्यक्रमों की तुलना में व्यापक और सुग्राह्य है । इस कार्यक्रम के व्यावहारिक धरातल पर कार्यान्वित करने की संक्षिप्त संकल्पना का बिन्दुवार विवरण निम्नवत है:-

31. गैर-पारंपरिक छात्र: एम०ए० हिंदी के इस पाठ्यक्रम में अक्सर ऐसे छात्र आते हैं जो पूर्णकालिक, ऑन-कैंपस शिक्षार्थियों के मानक प्रोफ़ाइल से अलग होते हैं। इसमें

कामकाजी पेशेवर, माता-पिता की देखभाल करने वाले या अन्य ज़िम्मेदारियों को निभाने वाले व्यक्ति शामिल हो सकते हैं ।

3.2 आजीवन शिक्षार्थी: यह कार्यक्रम अक्सर ऐसे व्यक्तियों को आकर्षित करता है जो शिक्षा को एक सतत यात्रा के रूप में देखते हैं। ये छात्र अक्सर किसी विशेष कैरियर के उद्देश्य के बजाय व्यक्तिगत या बौद्धिक जिज्ञासा से प्रेरित होते हैं। वे हिंदी के अपने ज्ञान का विस्तार करने और पारंपरिक शैक्षणिक या व्यावसायिक व्यस्तताओं से परे अकादमिक चर्चाओं में सहभागिता करने में रुचि रखते हैं।

3.3 जीविकोपार्जन के नवीन विकल्प प्रदाता: हिन्दी में मुक्त परास्नातक कला के कार्यक्रम में दाखिला लेने का विचार करने वाले कुछ व्यक्ति, जो अपने करियर को आगे बढ़ाने या हिंदी या संबंधित क्षेत्र में नई भूमिका तलाशने का लक्ष्य रखते हैं। जबकि उनके पास कुछ पेशेवर अनुभव हो सकता है, वे अपने करियर के अवसरों को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रमाण पत्र या विशेष ज्ञान चाहते हैं।

3.4 वैश्विक शिक्षार्थी: इस कार्यक्रम की विशिष्टता, विभिन्न भौगोलिक स्थानों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से विविध छात्र समूह को आकर्षित करने की क्षमता में निहित है। ये छात्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यता प्राप्त कर सकते हैं या वैश्विक दृष्टिकोण से विभिन्न मुद्दों पर अंतर्दृष्टि प्राप्त करने की आकांक्षा रख सकते हैं।

3.5 आर्थिक रूप से कमजोर छात्र: यह कार्यक्रम विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो किफायती और आसानी से सुलभ शैक्षिक विकल्पों की तलाश में हैं। ये शिक्षार्थी ऐसे कार्यक्रमों को महत्व दे सकते हैं जो शिक्षा तक अधिक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए लचीली भुगतान व्यवस्था प्रदान करते हैं।

3.6 कौशल उन्नयनकर्ता: भावी छात्रों का एक समूह हिंदी या किसी अन्य संबंधित क्षेत्र में अपने कौशल को बढ़ाने या नए करियर पथ पर आगे बढ़ने के लिए हिन्दी में मुक्त परास्नातक कला के कार्यक्रम में दाखिला ले सकता है। वे उन्नत मात्रात्मक, विश्लेषणात्मक या शोध कौशल हासिल करने का लक्ष्य रख सकते हैं, जिनकी आज के बाजार में अत्यधिक मांग है।

4. विशिष्ट कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए मुक्त और दूरस्थ शिक्षा मोड में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम की उपयुक्तता: मुक्त और दूरस्थ शिक्षा (ODL) मोड में हिन्दी में मुक्त परास्नातक कला का कार्यक्रम आयोजित करना कई कारणों से विशिष्ट कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए अत्यधिक उपयुक्त हो सकता है:

4.1 लचीलापन: यह कार्यक्रम समय, स्थान और सीखने की गति के मामले में सहजता प्रदान करता है। शिक्षार्थी दूरस्थ रूप से पाठ्यक्रम सामग्री, व्याख्यान और असाइनमेंट तक पहुँच सकते हैं, जिससे उन्हें अपने अध्ययन को काम, परिवार या अन्य प्रतिबद्धताओं के साथ संतुलित करने में मदद मिलती है। यह लचीलापन शिक्षार्थियों को अपने करियर या निजी जीवन को रोके बिना नए कौशल और योग्यता हासिल करने में सक्षम बनाता है।

4.2 सुलभता : यह कार्यक्रम शिक्षार्थियों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए सुलभ है, जिसमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्हें भौगोलिक, वित्तीय या व्यक्तिगत बाधाओं के कारण पारंपरिक, ऑन-कैंपस शिक्षा में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। विविध पृष्ठभूमि और स्थानों के शिक्षार्थी भौतिक परिसर में स्थानांतरित या आवागमन किए बिना कार्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं, जिससे शिक्षा और कौशल विकास के अवसरों तक पहुँच बढ़ जाती है।

4.3 स्वाध्याय से सीखना: दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम स्वयं से सीखने के तरीकों को अपनाता है, जिससे शिक्षार्थी अपनी गति से पाठ्यक्रम में आगे बढ़ सकते हैं। यह स्व-निर्देशित शिक्षण मॉडल शिक्षार्थियों को अपनी शिक्षा पर नियंत्रण रखने, रुचि या कमज़ोरी के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी व्यक्तिगत सीखने की ज़रूरतों और प्राथमिकताओं के अनुसार समय और संसाधन आवंटित करने का अधिकार देता है।

4.4 कम लागत : यह कार्यक्रम पारंपरिक ऑन-कैंपस कार्यक्रमों की तुलना में अधिक लागत-प्रभावी है, क्योंकि उन्हें आमतौर पर कम भौतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, शिक्षार्थी परिवहन, आवास और व्यक्तिगत रूप से कक्षाओं में भाग लेने से जुड़े अन्य आकस्मिक खर्चों पर बचत कर सकते हैं। कुल मिलाकर, ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग मोड में हिंदी में एमए कार्यक्रम आयोजित करना विशिष्ट कौशल और क्षमता हासिल करने के लिए अत्यधिक उपयुक्त हो सकता है, क्योंकि यह लचीलापन, पहुंच, स्व-गति से सीखने, प्रौद्योगिकी-वर्धित निर्देश, लागू सीखने के अवसर, व्यक्तिगत सहायता और लागत-प्रभावशीलता प्रदान करता है। ये विशेषताएं ओडीएल कार्यक्रम को उन शिक्षार्थियों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती हैं जो अपनी पेशेवर और व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को संतुलित करते हुए हिन्दी में अपने कौशल और दक्षताओं को बढ़ाना चाहते हैं।

5. विशिष्ट कौशल और योग्यता प्राप्त करने के लिए ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग मोड का अनुदेशात्मक डिज़ाइन: विशिष्ट कौशल और योग्यता प्राप्त करने के लिए मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) हिंदी कार्यक्रम के ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड के लिए अनुदेशात्मक रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रभावशीलता, जुड़ाव और शिक्षार्थी की

सफलता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कारकों पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता होती है।

क. पाठ्यक्रम डिजाइन

इस पाठ्यक्रम को चार सेमेस्टर में विभाजित कर 100 क्रेडिट के रूप में प्रस्तुत किया गया है । मूल पाठ्यक्रम (कोर कोर्स) तीन सत्रों में विभाजित है। प्रथम सेमेस्टर में चारो प्रश्नपत्र मूल (कोर) तथा द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के चार प्रश्नपत्रों में दो मूल (कोर) एवं दो वैकल्पिक (इलेक्टिव) और चतुर्थ सेमेस्टर के चार प्रश्नपत्रों में एक मूल (कोर) तथा तीन वैकल्पिक (इलेक्टिव) प्रश्नपत्र समाहित किये गये हैं जो अन्तरानुशासनिक समझ को विस्तार देने के लिए है। सभी विद्यार्थियों के लिए प्रोजेक्ट का भी प्रावधान है जिससे वे शोधोन्मुख हो सकें। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल सम्बन्धों की पहचान करना भी है, जिससे विद्यार्थी समाज, राष्ट्र और विश्व के बदलते सरोकारों से सामंजस्य बिठा सके। उसके भाषा कौशल, लेखन क्षमता का विकास हो। रचनात्मक लेखन, शोध प्रविधि, रंगमंच, हिन्दी सिनेमा तथा भारतीय साहित्य आदि विषयों का अध्ययन विद्यार्थी के विवेक-विस्तार में सहायक होगें।

ख. विस्तृत पाठ्यक्रम- अनुलग्नक-1

ग. कार्यक्रम की अवधि: 02 वर्ष; 04 सेमेस्टरों में विभाजित है।

घ. शैक्षणिक स्टाफ

50 छात्रों के प्रति बैच में 1-कार्यक्रम समन्वयक, 1-पाठ्यक्रम समन्वयक, 1-पाठ्यक्रम संरक्षक।

ड़. निर्देशात्मक प्रतिपादित तंत्र और मीडिया की उपादेयता (Instructional Delivery mechanisms & Identification of Media)

इस विषय की शिक्षण पद्धति अन्य पारंपरिक पद्धतियों से अलग होगी। दूरस्थ पाठ्यक्रमों में छात्र-केंद्रित और छात्र-अनुकूल दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सीखना और सिखाना आमने-सामने के बजाय संचार/प्रिंट माध्यम से दिया जाता है।

6. प्रिंट मीडिया में स्व-शिक्षण सामग्री (एसएलएम) विकसित की जानी चाहिए

- स्व-शिक्षण सामग्री (एसएलएम) स्व-व्याख्यात्मक, आत्मनिर्भर, स्व-निर्देशित, स्व-प्रेरित और स्व-मूल्यांकन योग्य होगी।

- एसएलएम में मॉड्यूल के अवलोकन के साथ-साथ उद्देश्यों, गतिविधियों, कार्यों और अतिरिक्त संसाधनों सहित एक पूर्ण पाठ्यक्रम विवरण शामिल होगा।
- पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई या इकाई के लिए स्वीकृत क्रेडिट का विवरण होना चाहिए।
- गतिविधियों, चर्चाओं और साहित्यिक चोरी के संबंध में शैक्षणिक अखंडता और नेटिकेट अपेक्षाओं के बारे में स्पष्ट दिशानिर्देश होने चाहिए।
- प्रस्तुति और भाषा का स्तर और शैली ई-लर्निंग को सुविधाजनक बनाने के लिए सरल और उपयुक्त होनी चाहिए।
- छात्रों की रुचि बनाए रखने के लिए सामग्री को ग्राफिक्स, एनीमेशन सिमुलेशन आदि के उचित उपयोग के साथ इंटरैक्टिव होना चाहिए।

7. छात्र सहायता सेवा प्रणालियाँ

छात्र सहायता सेवा प्रणालियों का मुख्य लक्ष्य स्वतंत्र अध्ययन को बढ़ावा देना है। नियमित आमने-सामने शिक्षण के अभाव में दूरस्थ शिक्षार्थियों के बीच अध्ययन के लिए छात्रों को हर समय शैक्षिक सहायता प्रदान की जाएगी। छात्रों को निम्नलिखित क्षेत्र में हर समय सहायता उपलब्ध रहेगी:

- कार्यक्रम के बारे में जानकारी, सुझाव और सलाह।
- प्रवेश से पहले, प्रवेश के दौरान और प्रवेश के बाद सलाह।
- नए छात्रों के लिए परिचय।
- शैक्षणिक सलाह कार्यक्रम और अभ्यास कार्यक्रम प्रदान करना।
- छात्रों का मूल्यांकन करना और फीडबैक का आदान-प्रदान करना।
- पंजीकरण और परीक्षा रेटिंग, टिप्पणियाँ आदि जैसी अन्य शैक्षणिक और प्रशासनिक पूछताछ में सहायता करना।

8. प्रवेश, पाठ्यक्रम संचालन और मूल्यांकन की प्रक्रिया

दूरस्थ शिक्षा एम.ए. हिन्दी कार्यक्रम प्रदान करने का उद्देश्य विविध शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करना तथा सुगम्यता, लचीलापन, लागत प्रभावशीलता, वैश्विक पहुंच, आजीवन शिक्षा और कौशल विकास के साथ उच्च शिक्षा तक पहुंचने में विभिन्न चुनौतियों का समाधान करना है।

क. प्रवेश की प्रक्रिया:

न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाला कोई भी स्नातक एम.ए. हिन्दी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

कार्यक्रम की लागत का अनुमान और प्रावधान

एम.ए हिन्दी कार्यक्रम के लिए सुझाई गई शुल्क सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय के मानदंडों के अनुसार है (इन लागतों में स्व-शिक्षण सामग्री लागत, शिक्षण प्रबंधन प्रणाली रखरखाव लागत और विषय वस्तु विशेषज्ञ लागत शामिल है)।

पाठ्यक्रम संरचना और मूल्यांकन

मूल्यांकन को दो भागों में विभाजित किया गया है:

A. परियोजनाओं और असाइनमेंट लेखन के माध्यम से निरंतर आंतरिक मूल्यांकन (CIA) के लिए, और
B. ऑफ़लाइन परीक्षा के माध्यम से प्रत्येक सेमेस्टर अंत में (ESE) मूल्यांकन के लिए।

9. गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम

A. गुणवत्ता आश्वासन तंत्र

ऑनलाइन एम.ए. हिन्दी कार्यक्रम नवीनतम शिक्षाशास्त्र से जुड़ा हुआ है और आपको आपके पेशेवर जीवन में आने वाले कई बदलावों के लिए तैयार करता है। मुख्य बिंदु जो हमारे प्रस्तावित कार्यक्रम को मूल्यांकन मानदंडों के संदर्भ में बेहतर बनाते हैं:

- यह कार्यक्रम NAAC A^{++} रैंक वाले छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा पेश किया जा रहा है।
- उच्च योग्यता प्राप्त संकाय जो कक्षा में पेशेवर अनुभव लाते हैं।
- प्रासंगिक पाठ्यक्रम जो कार्यस्थल पर तुरंत लागू होते हैं।
- समर्पित छात्र सहायता सेवाएँ।
- सीखने के लचीले तरीके।

B. अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम

क. व्यवसाय प्रक्रियाओं और प्रबंधन का ज्ञान:

व्यवसाय प्रबंधन अवधारणाओं और वर्तमान व्यवसाय प्रथाओं में उनके पास व्यापक ज्ञान है। पर्यावरण और उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ व्यवसायों को समर्थन और बनाए रखने के लिए हैं।

ख. अनुसंधान और व्यावसायिक बुद्धिमत्ता कौशल:

i) क्रियात्मक जानकारी को बढ़ाने, संश्लेषित करने और विश्लेषण करने के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक कौशल प्राप्त करें।
ii) सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यावसायिक समाधान प्रदान करने के लिए सैद्धांतिक और तकनीकी ज्ञान और कौशल लागू करें।

ग. समस्या समाधान और निर्णय लेने का प्रशिक्षण:
श्रम समस्याओं का व्यवहार्य समाधान प्रदान करने के लिए समस्या की पहचान, निर्णय लेने और तार्किक चिंतन एवं कार्य निष्पादन में कौशल हासिल करें।

घ. रचनात्मकता और नवाचार की तलाश करने वाले:
i) रचनात्मकता और नवाचारों की प्रकृति की व्याख्या करें और विचारों को अवसरों और कार्य में बदलें।
ii) दिखाएँ कि रचनात्मकता और नवाचार कैसे आरंभ, शामिल और प्रबंधित किए जाते हैं।

ड़. अंतर्सांस्कृतिक संचार:
अंतर्राष्ट्रीय और बहुसांस्कृतिक संदर्भों में प्रभावी ढंग से संवाद करें और सहयोग को सुविधाजनक बनाएं।

च. टीमवर्क:
A. टीम के सदस्य के रूप में काम करने और सहयोग करने की क्षमता है और टीम के उद्देश्यों की प्राप्ति में योगदान देता है।
B. प्रभावी प्रसार के लिए दूसरों के साथ जिम्मेदारी से सहयोग करने की क्षमता प्रदर्शित करता है।

C. उन्नत व्यवसाय और संचार कौशल का उपयोग करके विभिन्न दर्शकों के लिए सीखना/परियोजना परिणाम।

छ. वैश्विक नागरिक/नैतिकता:

A. व्यावसायिक नैतिकता के मूल सिद्धांतों को परिभाषित, व्याख्या और स्पष्ट करें और वैश्विक नागरिक बनें,

B. नैतिक व्यवहार के महत्व को पहचानें, समझाएं और स्पष्ट करें और उससे जुड़ी नैतिक समस्याओं का समाधान करें।

पाठ्यक्रम संरचना

Year/ Semester	**COURSE CODE**	**TYPE**	**COURSE TITELE**	**CREDITS**	**CIA**	**ESE**	**MAX. MARKS**
Ist Year/ Ist Sem	A010701T	CORE	हिन्दी काव्य का इतिहास	5	25	75	100
	A010702T	CORE	साहित्यालोचन	5	25	75	100
	A010703T	CORE	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	5	25	75	100
	A010704T	CORE	कथा साहित्य	5	25	75	100

Year/ Semester	**COURSE CODE**	**TYPE**	**COURSE TITELE**	**CREDITS**	**CIA**	**ESE**	**MAX. MARKS**
Ist Year/ IInd Sem	A010801T	CORE	हिन्दी गद्य का इतिहास	5	25	75	100
	A010802T	CORE	हिन्दी नाटक तथा एकांकी	5	25	75	100
	A010803T	ELECTIVE	मीडिया लेखन	5	25	75	100
	A010804T		सृजनात्मक लेखन				
	A010805T	ELECTIVE	भाषा प्रौद्योगिकी	5	25	75	100
	A010806T		शोधात्मक लेखन				
	A010807T	PROJECT	लघु शोध परियोजना	8	25	75	100
	A010804T	MINOR ELECTIVE	FROM OTHER FACULTY (IN 1ST YEAR)	4/5/6	25	75	100

Year/ Semester	COURSE CODE	TYPE	COURSE TITELE	CREDITS	CIA	ESE	MAX. MARKS
IInd Year/ IIIed sem	A010901T	CORE	आधुनिक हिन्दी काव्य	5	25	75	100
	A010902T	CORE	कथेतर गद्य साहित्य	5	25	75	100
	A010903T	ELECTIVE	कबीरदास	5	25	75	100
	A010904T		सूरदास				
	A010905T		तुलसीदास				
	A010906T		प्रेमचन्द्				
	A010907T		जयशंकर प्रसाद				
	A010908T		आचार्य रामचन्द्र शुक्ल				
	A010909T	ELECTIVE	हिन्दी रंगमंच	5	25	75	100
	A010910T		साहित्य एवं सिनेमा				

Year/ Semester	COURSE CODE	TYPE	COURSE TITELE	CREDITS	CIA	ESE	MAX. MARKS
IInd Year/ IVth sem	A011001T	CORE	अस्मितामूलक विमर्श	5	25	75	100
	A011002T	ELECTIVE	नीति काव्य	5	25	75	100
	A011003T		शैली विज्ञान				
	A011004T	ELECTIVE	भारतीय साहित्य	5	25	75	100
	A011005T		हिन्दीत्तर क्षेत्र का हिन्दी साहित्य				
	A011006T	ELECTIVE	हिन्दी विज्ञान लेखन	5	25	75	100
	A011007T		हिन्दी के क्षेत्र, लोकशैलियाँ तथा लोक साहित्य के विविध आयाम				
	A011008T	PROJECT	लघु शोध परियोजना	8	25	75	100

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के परास्नातक हिन्दी विषय का प्रस्तावित पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष, प्रथम सेमेस्टर (सेमेस्टर- VII, चतुर्थ वर्ष शोध सहित स्नातक के लिए)

1	प्रथम प्रश्नपत्र (कोर)	हिन्दी काव्य का इतिहास	5 क्रेडिट
2	द्वितीय प्रश्नपत्र (कोर)	साहित्यालोचन	5 क्रेडिट
3	तृतीय प्रश्नपत्र (कोर)	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	5 क्रेडिट
4	चतुर्थ प्रश्नपत्र (कोर)	कथा साहित्य	5 क्रेडिट

प्रथम वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर (सेमेस्टर- VIII, चतुर्थ वर्ष शोध सहित स्नातक के लिए)

1-	प्रथम प्रश्नपत्र (कोर)	हिन्दी गद्य का इतिहास	5 क्रेडिट
2-	द्वितीय प्रश्नपत्र (कोर)	हिन्दी नाटक तथा एकांकी	5 क्रेडिट
3-	तृतीय प्रश्नपत्र (इलेक्टिव)- वैकल्पिक	A. मीडिया लेखन **अथवा** B. सृजनात्मक लेखन	5 क्रेडिट
4-	चतुर्थ प्रश्नपत्र (इलेक्टिव) – वैकल्पिक	A. भाषा प्रौद्योगिकी **अथवा** B. शोधात्मक लेखन	5 क्रेडिट
5 -	पंचम प्रश्नपत्र	लघु शोध परियोजना	8 क्रेडिट

नोट: प्रथम वर्ष (चतुर्थ वर्ष शोध सहित स्नातक) में 8 क्रेडिट की लघुशोध परियोजना एवं मौखिकी का चयन किया जायेगा। इसके अन्तर्गत सर्वेक्षण, संकलन, लघुशोध आदि सम्मिलित है। विद्यार्थी द्वारा शोध परियोजना पर बाहय परीक्षक द्वारा मौखिकी की परीक्षा ली जायेगी। परियोजना का मूल्यांकन 50 अंक तथा मौखिकी 50 अंक की होगी।

सेमेस्टर – IX

1-	प्रथम प्रश्नपत्र (कोर)	आधुनिक हिन्दी काव्य	5 क्रेडिट
2-	द्वितीय प्रश्नपत्र (कोर)	कथेतर गद्य साहित्य	5 क्रेडिट
3-	तृतीय प्रश्नपत्र (इलेक्टिव)- वैकल्पिक (किसी एक रचनाकार का विशेष अध्ययन)	A. कबीर A. सूरदास C. तुलसीदास D. प्रेमचंद E. जयशंकर प्रसाद F. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	5 क्रेडिट
4-	चतुर्थ प्रश्नपत्र (इलेक्टिव) – वैकल्पिक	A. हिन्दी रंगमंच **अथवा** B. सिनेमा अध्ययन	5 क्रेडिट
5 -	पंचम प्रश्नपत्र	लघु शोध परियोजना	8 क्रेडिट

सेमेस्टर – IX

1-	प्रथम प्रश्नपत्र (कोर)	अस्मितामूलक विमर्श	5 क्रेडिट
2-	द्वितीय प्रश्नपत्र (इलेक्टिव)- वैकल्पिक	नीति काव्य **अथवा** शैली विज्ञान	5 क्रेडिट
3-	तृतीय प्रश्नपत्र (इलेक्टिव)- वैकल्पिक (किसी एक रचनाकार का विशेष अध्ययन)	A. भारतीय साहित्य **अथवा** B. हिन्दीत्तर क्षेत्र का हिन्दी साहित्य	5 क्रेडिट
4-	चतुर्थ प्रश्नपत्र (इलेक्टिव) – वैकल्पिक	A. हिन्दी विज्ञान लेखन **अथवा** B. हिन्दी के क्षेत्र, लोकशैलियों तथा लोक साहित्य के विविध	5 क्रेडिट
5 -	पंचम प्रश्नपत्र	लघु शोध परियोजना	8 क्रेडिट

नोट:

1. द्वितीय वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर में 8 क्रेडिट की लघुशोध परियोजना एवं मौखिकी का चयन किया जायेगा। इसके अन्तर्गत सर्वेक्षण, संकलन, लघुशोध आदि

सम्मिलित है। विद्यार्थी द्वारा शोध परियोजना पर बाहय परीक्षक द्वारा मौखिकी की परीक्षा ली जायेगी। परियोजना का मूल्यांकन 50 अंक तथा मौखिकी 50 अंक की होगी।

2. 4 क्रेडिट का पाठ्यक्रम अन्तैर्विषयक होने के कारण छात्र किसी अन्य विषय के किसी अन्य पाठ्यक्रम या हिन्दी के उन वैकल्पिक प्रश्नपत्रों को चयन करके पूर्ण करेगा जो उसने अभी तक चयन नही किया।

PROGRAM: M.A., SUBJECT: HINDI

NOTE:

1. A Minor Elective from other faculty shall be chosen In 1st Year (Either Ist / IInd Semester) as per availability.
2. In both years of PG program, there will be a Research Project or equivalently a research- oriented Dissertation as per guidelines issued earlier and will be of 4 credit (4 hr/week), in each semester. The student shall submit a report/dissertation for evaluation at the end of the year, which will be therefore of 8 credits and 100 marks
3. Research project can be done in form of Internship/Survey/Field work/Research project/ Industrial training, and a report/dissertation shall be submitted that shall be evaluated via seminar/presentation and viva voce.
4. The student straight away will be awarded 25 marks if he publishes a research paper on the topic of Research Project or Dissertation

महत्त्वपूर्ण निर्देशः

1. प्रथम वर्ष (चतुर्थ वर्ष शोध सहित स्नातक) के प्रथम सेमेस्टर में चार अनिवार्य प्रश्नपत्र निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 75 अंक की लिखित परीक्षा होगी तथा सतत आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 05 क्रेडिट का है।
2. प्रथम वर्ष (चतुर्थ वर्ष शोध सहित स्नातक) के द्वितीय सेमेस्टर में दो अनिवार्य प्रश्नपत्र तथा दो वैकल्पिक प्रश्नपत्र निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 75 अंक की लिखित परीक्षा होगी तथा सतत आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 05 क्रेडिट का होगा।
3. प्रथम वर्ष (चतुर्थ वर्ष शोध सहित स्नातक) के द्वितीय सेमेस्टर में 8 क्रेडिट का लघुशोध परियोजना एवं मौखिकी का चयन किया जाएगा। इसके अन्तर्गत सर्वेक्षण,

संकलन, लघुशोध आदि सम्मिलित हैं। मौखिक परीक्षा 50 अंक तथा परियोजना कार्य 50 अंक का निर्धारित है।

4. द्वितीय वर्ष के प्रथम सेमेस्टर में दो अनिवार्य प्रश्नपत्र तथा दो वैकल्पिक प्रश्नपत्र निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 75 अंक की लिखित परीक्षा होगी तथा सतत आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 05 क्रेडिट का होगा।
5. द्वितीय वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर में एक अनिवार्य प्रश्नपत्र तथा तीन वैकल्पिक प्रश्नपत्र निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में 75 अंक की लिखित परीक्षा होगी तथा सतत आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 05 क्रेडिट का होगा।
6. द्वितीय वर्ष के द्वितीय सेमेस्टरमें 8 क्रेडिट का लघुशोध परियोजना एवं मौखिकी का चयन किया जाएगा। इसके अन्तर्गत सर्वेक्षण, संकलन, लघुशोध आदि सम्मिलित हैं। मौखिक परीक्षा 50 अंक तथा परियोजना कार्य 50 अंक का निर्धारित है।

प्रथम प्रश्न पत्र (**कोर**)

Programme/Class	M.A. - I Year	Semester - I
Subject: Hindi		
Course Code: A010701T	**Course Title: हिन्दी काव्य का इतिहास**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- इस पाठ्यक्रम में इतिहास की अवधारणा, हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ, हिन्दी के प्रमुख इतिहास ग्रन्थों और साहित्यिक केन्द्रों पर विचार करते हुए हिन्दी साहित्य के इतिहास का गहन अध्ययन अपेक्षित है।

Course Learning Outcomes

- इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी
- हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

Block	Unit Detail
Block-I	**Unit-1 इतिहास दृष्टि और साहित्येतिहास लेखन पद्धति** • इतिहास दर्शन और साहित्यिक इतिहास • साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धान्त : विधेयवादी, मार्क्सवादी संरचनावादी इत्यादि • हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ और विभिन्न इतिहास दृष्टियाँ • काल विभाजन का आधार, साहित्यिक प्रवृत्तियों का अन्तर्संबंध • सामाजिक परिवेश और सांस्कृतिक सन्दर्भ **Unit-2 इतिहास-दर्शन तथा आदिकाल** • इतिहास और आलोचना, इतिहास और अनुसंधान • उत्तर आधुनिकतावाद, नव्य इतिहासवाद तथा साहित्येतिहास का नारीवादी, दलित, आदिवासी, किन्नर एवं पर्यावरणीय परिप्रेक्ष्य • साहित्येतिहास दर्शन के समकालीन सिद्धांत • साहित्येतिहास लेखन की प्रमुख अवधारणाएँः मध्ययुगीनता, पुनर्जागरण और आधुनिकता • काल-विभाजन और उसकी समस्याएँ • नामकरण की समस्या पृष्ठभूमि: विभिन्न परिस्थितियाँ
Block-II	**Unit-1 आदिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य** • रासोकाव्यः परंपरा, प्रमुख प्रवृत्तियाँ • प्रमुख कवि (चंदबरदाई, जगनिक, अमीर खुसरो, विद्यापति) **Unit-2 भक्तिकाल:** • भक्ति आन्दोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण • सगुण एवं निर्गुण भक्ति का सामाजिक आधार, पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ • प्रमुख एवं गौण कवि तथा उनका काव्य (कबीर, रविदास, दादू, सुंदरदास, कुतुबन, मंझन जायसी, तुलसीदास, सूरदास, नंददास) • निर्गुण एवं सगुण काव्यधाराएँ: प्रमुख विशेषताएँ
	Unit-1 रीतिकाल • दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य

Block- III	• नामकरण की समस्या • पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ **Unit -2 प्रमुख एवं गौण कवि तथा उनका काव्य** • (केशव, बिहारी, देव, मतिराम, धनानंद, बोधा, आलम, गुरूगोविंद सिंह, रज्जब) • रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराओं की विभेदक विशेषताएँ
Block-IV	**Unit-1 आधुनिक काल की पृष्ठभूमिः** • सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक (1857 के स्वाधीनता संग्राम से 1947 तक का राजीनतिक इतिहास, नवजागरण) • भारतेन्दु युग: प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ • द्विवेदी युग: प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ • छायावाद: प्रमुख रचनाकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ **Unit- 2 प्रगतिशील आन्दोलन और हिन्दी साहित्य** • सन् 1936 के आसपास स्वाधीनता आन्दोलन में परिवर्तन • साहित्य में युगान्त का अनुभव • प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएँ • प्रगतिवाद, प्रयोगवाद • स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य- देश विभाजन और साहित्य • नई कविता और समकालीन कविता

<u>प्रस्तावित पुस्तकें</u>

1. हिन्दी साहित्य का इतिहासः रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिकाः हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. रीतिकाव्य की भूमिकाः डॉ. नागेन्द्र
4. हिंदी साहित्य का इतिहासः संपादक डॉ. नागेन्द्र
5. साहित्य का इतिहास दर्शनः नलिन विलोचन शर्मा
6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहासः रामकुमार वर्मा
7. साहित्य और इतिहास दृष्टिः मैनेजर पांडेय
8. मध्यकालीन बोध का स्वरूपः हजारी प्रसाद द्विवेदी
9. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1, 2): विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. हिंदी साहित्य का इतिहासः पूरनंचद, टंडन, विनीता कुमारी
11. अप्रभ्रंश साहित्यः हरिवंश कोछड़
12. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमिः राममूर्ति त्रिपाठी
13. साहित्य और इतिहास दृष्टिः मैनेजर पाण्डेय
14. हिंदी का गद्य साहित्य: रामचंद्र तिवारी
15. हिंदी काव्य का इतिहासः रामस्वरूप चतुर्वेदी
16. हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहासः पूरनचंद टण्डन एवं विनीता कुमारी
17. हिंदी साहित्यतिहास की भूमिका (भाग-3): सूर्यप्रसाद दीक्षित
18. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकासः रामस्वरूप चतुर्वेदी

द्वितीय प्रश्न पत्र (**कोर**)

Programme/Class	**M.A. - I Year**	**Semester - I**
Subject: Hindi		
Course Code: A010702T	**Course Title: साहित्यालोचन**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- हिन्दी के प्रमुख आलोचकों की आलोचनात्मक अवधारणाओं, पद्धतियों एवं प्रतिमानों का उनकी कृतियों के आलोक में गहन अध्ययन

Course Learning Outcomes

- हिंदी साहित्य में आलोचना का विशिष्ट ज्ञान
- प्रमुख आलोचक और आलोचनात्मक कृतियों की समझ विकसित होगी

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1 आलोचना की अवधारणा एवं पृष्ठभूमि** • आलोचना: अर्थ एवं अवधारणा • हिन्दी आलोचना की पृष्ठभूमि **Unit-2 हिन्दी आलोचना के उदय की परिस्थितियाँ** • प्रारंभिक हिंदी आलोचना का स्वरूप • पाश्चात्य साहित्यलोचन और हिंदी आलोचना
Block-II	**Unit-1 हिन्दी आलोचना पद्धतियाँ** • स्वच्छन्तावादी • मनोविश्लेषणवादी • मार्क्सवादी • नई समीक्षा • अन्य आधुनिक समीक्षा पद्धति **Unit-2 हिन्दी आलोचना का ऐतिहासिक विकास क्रम** • भारतेन्दुयुगीन आलोचना • द्विवेदीयुगीन आलोचना
Block-III	**Unit-1 शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना** • आचार्य राम चन्द्र शुक्लः सैद्धान्तिक चिन्तन एवं व्यावहारिक पक्ष • हजारी प्रसाद दिवेदी : परम्परा का मूल्यांकन, इतिहास दृष्टि और मध्ययुगीनता की अवधारणा **Unit-2 शुक्लोत्तरयुगीन हिन्दी आलोचना** • शुक्लोत्तर आलोचना • प्रगतिशील आलोचना • स्वातन्त्रयोत्तर हिन्दी आलोचना

Block-IV	**Unit-1 हिन्दी के प्रमुख आलोचक** • नन्ददुलारे वाजपेयी • डॉ० नगेन्द्र • रामविलास शर्मा • शिवदान सिंह चौहान • नामवर सिंह **Unit-2 हिन्दी के प्रमुख कवि आलोचक** • अज्ञेय • मुक्तिबोध • शमशेर • विजयदेव नारायण शाही • अशोक वाजपेयी

<u>प्रस्तावित पुस्तकें</u>

1. काव्यशास्त्र, भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. पाश्चात्य काव्यशस्त्र., भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाश, वाराणसी।
3. काव्यशास्त्र की रूपरेखा, रामदत्त भारद्वाज।
4. रसमीमांसा, राम चन्द्र शुक्ल।
5. आलोचक और आलोचना, बच्चन सिंह।
6. हिन्दी सीमक्षा, स्वरूप और सौन्दर्य, रामदरश मिश्र
7. सौन्दर्यशास्त्र, हरद्वारी लाल शर्मा
8. हिन्दी आलोचना, पहचान और परख, इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन।
9. संवदेना के स्तर, राजमल वोस।
10. संवेदना और सौन्दर्य, राजमल वोरा।
11. साहित्यलोचन, श्याम सुन्दर दास, काशी।
12. आधुनिक हिन्दी आलोचना पर पाश्चात्य प्रभाव, रामचन्द्र प्रसाद।
13. सिद्धान्त औरअध्ययन, गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली।
14. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त (दोनों भाग), गोविन्द त्रिगुणायत।
15. समीक्षा के पाश्चात्य मानदण्ड, राजेन्द्र वर्मा, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
16. हिन्दी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
17. समीक्षा की समस्याएँ (मुक्तिबोध रचनावली-5 में संकलित), गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
18. दूसरी परम्परा की खोज, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
19. आचार्य रामचन्द्र शुक्ला और हिन्दी आलोचना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाश, दिल्ली।
20. हिन्दी आलोचना का विकास, नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
21. सौन्दर्यशास्त्र के तत्व, कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
22. हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी, निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
23. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना, शीतांशु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
24. हिन्दी आलोचना, उद्भव और विकास, भगवत स्वरूप मिश्र।
25. डा0 नागेन्द्र के आलोचना सिद्धान्त, नारायण प्रसाद चौबे
26. रामविलास शर्मा विशेषांक, (आलोचना पत्रिका अंक 60-61)
27. शान्ति निकेतन से शिवालिक तक, सं शिव प्रसाद सिंह।

तृतीय प्रश्न पत्र (**कोर**)

Programme/Class	**M.A. - I Year**	**Semester - I**
Subject: Hindi		
Course Code: A010703T	**Course Title: प्राचीन एवं मध्यकालीन काल**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- हिंदी साहित्य के आदिकालीन काव्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- हिंदी साहित्य के भक्तिकालीन काव्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना

Course Learning Outcomes

- हिंदी साहित्य के आदिकालीन और मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान
- प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित करना

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1** विद्यपति (संपादक-रामवृक्ष बेनीपुरी) ● पदः 1,2,5,10,18,23,27,29,36,42 (कुल 10 पद) **अथवा** **Unit-2** पृथ्वीराज रासउ (संपादक-माता प्रसाद गुप्त): ● कयमास वध
Block-II	**Unit-1** कबीर: (संपादक-हजारी प्रसाद द्विवेदी) ● पद संख्या: 35,108,112,123,126,134,153,168,181,206 (कुल 10 पद) ● साखी संख्या: 103,113,139,157,190, 191,199, 200, 201, 231 (कुल 10 पद) **Unit-2 जायसीः** ● (संपादक-राम चन्द्र शुक्ल) नागमती वियोग खंड
Block-III	**Unit-1** सूरदास: ● भ्रमरगीत: सार (संपादक-रामचन्द्र शुक्ल) ● पद संख्या- 3, 4,7 ,9,11,16, 18, 21, 22, 24, 30, 34, 37, 42, 45, 52, 62, 75, 85,100 (कुल 20 पद) **Unit-2** तुलसीदास: ● रामचरितमानस: अयोध्या काण्ड- दोहा संख्या 185 से अन्त तक
Block-IV	**Unit-1** बिहारी रत्नाकर-जगन्नाथदास रत्नाकर (संपादक) ● दोहा संख्या- 1,5,7, 15,19, 20, 21, 22, 25, 38, 42, 45, 71,85, 91, 99, 106, 127,135,146,151,171,188, 201 (कुल 25 पद) **Unit-2** धनानंद ग्रंथावली-(संपादक) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ● पद संख्या- 1,2,3,4,5,6,7,8,9,10,21,22,24, 25,26 (कुल 15 पद)

<u>प्रस्तावित पुस्तकें</u>

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, पटना
2. कबीर-आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, नई दिल्ली
3. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय, पीताम्बर दत्त बडथ्वाल, लखनऊ
4. कबीर की विचारधारा, गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर
5. कबीर एक नई दृष्टि, रघुवंश, इलाहाबाद
6. कबीर, विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. कबीर रहस्यवाद, रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद
8. कबीर का अनुशीलन, राम कुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद
9. विद्यापति, डा0 शिव प्रसाद सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद
10. महाकवि विद्यापति, स्थापना और विवेचन, डा0 कृष्णनन्दन 'पीयूष' सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
11. विद्यापति युग और साहित्य, डा0 अरविन्द नारायण सिन्हा, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
12. विद्यपति ठाकुर, शिवनन्दन ठाकुर
13. विद्यापित अनुशीलन (भाग 1 व 2), डा0 वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी
14. चंदरबरदायी और उनका काव्यः डा0 विपिन बिहारी त्रिवेदी, हिन्दुस्तारी एकेडमी, इलाहाबाद
15. रासो और साहित्य पृथ्वीराज रासो, नरोत्तम स्वामी, भारती विद्यामन्दिर, बीकानेर
16. पदमावती समय, डा0 विश्वनाथ गौड़, साहित्य निकेतन, कानपुर
17. जायसी, विजयदेव नारायण साही, इलाहाबाद।
18. पदमावत, (सं) वासुदेव शरण अग्रवाल, झाँसी
19. हिन्दी सूफी काव्य भूमिका, रामपूजन तिवारी

चतुर्थ प्रश्न पत्र (**कोर**)

Programme/Class	**M.A. - I Year**	**Semester - I**
Subject: Hindi		
Course Code: A010704T	**Course Title: कथा साहित्य**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- कथा-साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- विभिन्न लेखकों और उनकी रचनाओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- हिंदी साहित्य के कथा साहित्य का विशिष्ट ज्ञान
- प्रमुख लेखकों और उनकी रचनाओं की समझ विकसित होगी

Block	**Unit Detail**
Block- I	**Unit-1 उपन्यास** • आधुनिकता, मध्यवर्ग और उपन्यास • प्रेमचंद- गोदान **Unit-2 प्रेमचंदोत्तर उपन्यास** • आंचलिकता और हिन्दी उपन्यास • फणीश्वरनाथ रेणु- मैला आँचल
Block-II	**Unit-1 कहानी** • आख्यान और कथा-संरचना • आख्यायिका, कथा और कहानी • प्रारंभिक हिन्दी कहानी **Unit-2 स्वाधीनता पूर्व हिन्दी कहानी** • उसने कहा थाः चंद्रधर शर्मा गुलेरी • कफनः प्रेमचंद • मधुआः जयशंकर प्रसाद
Block-III	**Unit-1 नई कहानी एवं अन्य कहानी आंदोलन** • हिन्दी कहानी पर विभिन्न विचारधाराओं का प्रभाव **Unit-2 कहानीकार अमरकांत और मन्नू भंडारी** • जिंदगी और जोंकः अमरकांत • यही सच हैः मन्नू भंडारी
Block-IV	**Unit-1 कहानीकार भीष्म साहनी और फणीश्वरनाथ रेणु** • चीफ की दवत: भीष्म साहनी • तीसरी कसमः फणीश्वरनाथ रेणु **Unit-2 कहानीकार निर्मल वर्मा, उषा प्रियंवदा और ज्ञानरंजन** • परिंदेः निर्मल वर्मा • वापसीः उषा प्रियवंदा • पिताः ज्ञानरंजन

<u>प्रस्तावित पुस्तकें:</u>

1. प्रेमचंद और उनका युगः रामविलास शर्मा
2. प्रेमचंदः एक साहित्यिक विवेचनः नंददुलारे वाजपेयी
3. आज का हिन्दीं उपन्यासः इंद्रनाथ मदान
4. मैला आँचल की रचना-प्रक्रियाः देवेश ठाकुर
5. आधुनिक हिंदी उपन्यासः सं. नरेंद्र मोहन
6. क्रांति का विचार और हिन्दी उपन्यासः प्रेम सिंह
7. कहानीः नयी कहानी, नावमर सिंह
8. नयी कहानीः संदर्भ और प्रकृति, देवी शंकर अवस्थी

प्रथम प्रश्न पत्र (**कोर**)

Programme/Class	**M.A. - I Year**	**Semester – II**
Subject: Hindi		
Course Code: A010801T	**Course Title: हिन्दी गद्य का इतिहास**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- हिंदी गद्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- आधुनिक इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और आधुनिक युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना

Course Learning Outcomes

- इतिहास लेखन हिंदी गद्य साहित्य के इतिहास की समझ विकसित करना
- हिंदी साहित्य के आधुनिक युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

Block	**Unit Detail**
Block-1	**Unit-1 खड़ी बोली गद्य का विकास** • खड़ी बोली गद्य • नवजागरणकालीन परिस्थितियाँ • आधुनिक गद्य विधाएँ **Unit-2 हिन्दी नाट्य एवं कथा साहित्य का इतिहास** • हिन्दी नाट्य साहित्य का इतिहास • हिन्दी कथा साहित्य का इतिहास
Block-2	**Unit-1 हिन्दी के अन्य गद्य विधाओं का इतिहास** • निबन्ध • आलोचना **Unit-2 हिन्दी के अन्य गद्य विधाओं का इतिहास** • रिपोर्ताज • यात्रा वृत्तान्त
Block-3	**Unit-1 हिन्दी के अन्य गद्य विधाओं का इतिहास** • संस्मरण • रेखाचित्र **Unit-2 हिन्दी के अन्य गद्य विधाओं का इतिहास** • आत्मकथा • जीवनी • डायरी

Block- 4	**Unit-1 हिन्दी के अन्य गद्य विधाओं का इतिहास** • पत्र साहित्य • साक्षात्कार **Unit-2 हिन्दी के अन्य गद्य विधाओं का इतिहास** • पत्र पत्रिकाएँ • अन्य गद्य लेखन

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
4. हिंदी साहित्य का इतिहास संपादक डॉ. नगेन्द्र
5. साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा
7. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय
8. मध्यकालीन बोध का स्वरूप हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1.2): विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. हिंदी साहित्य का इतिहास: पूरनचंद टंडन, विनीता कुमारी
11. अप्रभ्रंश साहित्य: हरिवंश कोछड़
12. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि: राममूर्ति त्रिपाठी
13. साहित्य और इतिहास दृष्टि मैनेजर पाण्डेय
14. हिंदी का गद्य साहित्य रामचन्द्र तिवारी
15. हिंदी काव्य का इतिहास: रामस्वरूप चतुर्वेदी
16. हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास पूरनचंद टण्डन एवं विनीता कुमारी
17. हिंदी साहित्यतिहास की भूमिका (भाग-3): सूर्यप्रसाद दीक्षित
18. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास रू रामस्वरूप चतुर्वेदी

द्वितीय प्रश्न पत्र (**कोर**)

Programme/Class	**M.A. - I Year**	**Semester – II**
Subject: Hindi		
Course Code: A010802T	**Course Title: हिन्दी नाटक तथा एकांकी**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective
हिंदी साहित्य के नाटक एवं एकांकी का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न नाटककारों के नाटकों तथा एकांकियों का विशिष्ट ज्ञान
Course Learning Outcomes
हिंदी साहित्य के नाटकों एवं एकांकियों का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख नाटककारों और नाटकों की समझ विकसित होगी

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1 नाटक: परंपरा और विकास** • नाटक और रंगमंच • नाटक की भारतीय परंपरा • नाटक की पाश्चात्य परंपरा • पारसी थिएटर • नाटक का विकास **Unit-2 हिन्दी रंगमंच का विकास** • हिन्दी रंगमंच के विकास में अनूदित नाटकों की भूमिका • नाटक और एकांकी में अंतर
Block-II	**Unit-1 भारतेंदु** • भारत दुर्दशा **Unit-2 जयशंकर प्रसाद** • ध्रुवस्वामिनी
Block-III	**Unit-1 मोहन राकेश** • आषाढ़ का एक दिन **Unit-2 डॉ0 राम कुमार वर्मा** • कौमुदी महोत्सव
Block IV	**Unit-1 जगदीश चन्द्र माथुर** • भोर का तारा **Unit-2 भुनवेश्वर** • स्ट्राइक **Unit-3 उपेन्द्रनाथ 'अश्क'** • लक्ष्मी का स्वागत

प्रस्तावित पुस्तकें-

1. हिंदी नाटक: उद्भव और विकास दशरथ ओझा भुवनेश्वर
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक समाजशास्त्रीय अध्ययन: सीताराम झा
4. भारतेंदु हरिश्चंद्र: रामविलास शर्मा
5. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना सत्येंद्र तनेजा
6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता प्रभाकर श्रोत्रिय
7. प्रसाद के नाटक: देश और काल की बहुआयामिता : रमेश गौतम
8. मोहन राकेश और उनके नाटक गिरीश रस्तोगी
9. मोहन राकेश: साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि: मोहन राकेश
10. आज का हिंदी नाटक प्रगति और प्रभाव: दशरथ ओझा
11. मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक: नेमिचंद्र जैन
12. हिंदी नाटक: मिथक और यथार्थ रमेश गौतम
13. हिंदी नाटक: आजकल जयदेव तनेजा
14. भारतीय नाट्य साहित्य: नगेंद्र

तृतीय प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - I Year**	**Semester - II**
Subject: Hindi		
Course Code**: A010803T**	Course Title**: A. मीडिया लेखन**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective
- जनसंचार माध्यमों का विश्लेषणात्मक ज्ञान
- जनसंचार और माध्यमों की समझ

Course Learning Outcomes
- जनसंचार की सैद्धांतिक समझ
- जनसंचार जगत के विश्लेषण की क्षमता

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1** माध्यम लेखन का स्वरूप, माध्यम लेखन और सर्जनात्मक लेखन में साम्य-वैषम्य **Unit-2** माध्यम लेखन का महत्व एवं उपयोगिता
Block-II	**Unit-1** माध्यम लेखन के प्रमुख बिन्दुः परिचर्चा (विचार, अवधि, आर्थिक व्यय, स्वरूप, भाषा, दृश्य परिकलपना), शोध (विद्युत उपकरण, संगीत), अभिनेता, वाचक, वेशभूषा **Unit-2** प्रारूप (वनलाइन स्टोरी, कच्ची रूपरेखा, कथा के आधार पर दृश्य क्रम, कथा के आधार पर संवाद) (कैमरामैन, संगीत, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था निर्देश सहित विश्लेषण या जाँच)
Block-III	**Unit-1** श्रव्य माध्यम रेडियो हेतु- समाचार लेखन वार्ता, रेडियो नाटक और फीचर लेखन का स्वरूप एवं प्रविधि **Unit-2** दृश्य-श्रव्य माध्यम- दूरदर्शन हेतु लेखन, समाचार लेखन, वृत्तचित्र, टेलीफिल्म, धारावाहिक लेखन का स्वरूप एवं प्रविधि
Block-IV	**Unit-1** सोशल मीडियाः लेखन में नवाचार **Unit-2** गैर कथात्मक लेखन में नवाचार **Unit-3** ब्लॉग लेखन: परिचय एवं वैशिष्ट्य

प्रस्तावित पुस्तकें

1- कुमार सिद्धनाथ - रेडियो नाटक की कला, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992
2- मंजुल, मुरली मनोहर, प्रसारण की विविध विधा में, साहित्य संगम इलाहाबाद, 1992
3- अग्रवाल, पवन - माध्यम लेखन कला, न्यू रॉयल बुक कं०, लखनऊ, 2002
4- पचौरी सुधीश - मीडिया और साहित्य, राजसूर्य प्रकाशन, दिल्ली, 1996

तृतीय प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - I Year**	**Semester - II**
Subject: Hindi		
Course Code**: A010804T**	Course Title**: B. सृजनात्मक लेखन**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- सृजनात्मक लेखन का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- सृजनात्मक लेखन और उनके माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग

Course Learning Outcomes

- सृजनात्मक लेखन और साहित्य की सैद्धांतिक समझ
- सृजनात्मक लेखन जगत के विश्लेषण की क्षमता

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1 सृजनात्मक लेखनः 1** • सृजनात्मक लेखनः काव्य एवं गद्य का सदंर्भ • सृजनात्मक लेखन से अभिप्रायः स्वरूप एवं आयाम • लेखन की विषयवस्तु का निर्धारण एवं चयन • छंदवद्ध लेखन एवं मुक्त छंद लेखन **Unit-2 सृजनात्मक लेखनः 2** • गीत लेखन, मुक्तक लेख, लंबी कविता-लेखन, प्रबंध-लेखन • काव्य का स्वरूप् और रचनाः प्रक्रिया • लघु कथा, कहानी, एकांकी, नाटक, उपन्यास आदि के लेखन की प्रविधि एवं प्रक्रिया
Block-II	**Unit-1 मीडिया एवं फीचर लेखनः 1** • मीडिया एवं फीचर लेखन में सृजनात्मक अपेक्षा तथा आयाम • प्रिंट एवं दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन के क्षेत्र में विस्तार • मीडिया लेखन में सृजनशीलता का वैशिष्ट्य **Unit-2 मीडिया एवं फीचर लेखनः 2** • फीचर लेखन से अभिप्रायः स्वरूप महत्व और क्षेत्र • फीचर लेखन की विशेषताएँ • फीचर लेखन की रचना-प्रक्रिया • रेडियो टी.वी. और कम्प्यूटर आदि के लिए सृजनात्मक लेखन के क्षेत्र, प्रविधि और प्रक्रिया

Block-III	**Unit-1 रेडियो टी.वी. लेखनः 1** • रेडियो टी.वी. लेखन औऱ सृजनात्मकता • रेडिया टी.वी.: बच्चों के लिए सृजनात्मक लेखन • रेडिया टी.वी. प्रहसन, एकांकी और नाट्य लेखन • रेडियो टी.वी. प्रसारण, एनीमेशन और सृजनशीलता **Unit-2 रेडियो टी.वी. लेखनः 2** • हास्य व्यंग एवं मनोरंजन विषयक लेखन और सृजनशीलता • कृषकों, ग्रामीणें के लिए लेखन और सृजनात्मकता
Block-IV	**Unit-1 गद्य की विभिन्न विधाएँ और सृजनशील लेखन: 1** • गद्य की विभिन्न विधाओं का लेखन और सृजनशीलता • कहानी लेखन और सृजनात्मकता • संस्मरण, रेखाचित्र लेखन और सृजनधर्मिता **Unit-2 गद्य की विभिन्न विधाएँ और सृजनशील लेखन: 2** • संवाद लेखनऔर सृजन-धर्म • साक्षात्कार प्रविधि और सृजनात्मक बोध • रिपोतार्ज लेखन, डायरी लेखन, जीवनी लेखन आदि में सृजनात्मकता

प्रस्तावित पुस्तकें

1. मीडिया लेखन कला सूर्य प्रसाद दीक्षित**,** पवन अग्रवाल
2. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम वेदप्रताप वैदिक
3. फीचर लेखन : पूरनचंद टंडन**,** सुनील तिवारी
4. सूचना प्रोद्यौगिकी**,** हिंदी और अनुवाद स. नीता गुप्ता**,** पूरनचंद टण्डन
5. सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद, सुरेश सिंहल. पूरनचंद टंडन

चतुर्थ प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - I Year**	**Semester - II**
Subject: Hindi		
Course Code: **A010805T**	Course Title: **A. भाषा प्रौद्योगिकी**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- भाषा और प्रौद्योगिकी का सम्बन्ध का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- भाषा और प्रौद्योगिकी माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग

Course Learning Outcomes

- भाषा और प्रौद्योगिकी की सैद्धांतिक समझ
- भाषा और प्रौद्योगिकी जगत के विश्लेषण की क्षमता

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1 भाषा और प्रौद्योगिकी** • भाषा का अर्थ तथा महत्व • भाषा और प्रौद्योगिकी का सम्बन्ध **Unit-2 प्रौद्योगिकी: स्वरूप और संभावनाएँ** • वर्तमान परिदृश्य में प्रौद्योगिकी की आवश्यकता • डिजिटल हिन्दी स्वरूप और संभावनाएँ
Block-II	**Unit-1 हिन्दी टंकण** • लिपि, फाण्ट • यूनिकोड तथा की-बोर्ड ले-आउट **Unit-2 फाण्ट परिवर्तन और टंकण** • फाण्ट परिवर्तन • टंकण संकेत • हिन्दी में वर्तनी परीक्षण • वर्तनी परीक्षण प्रणालीः मानक तथा अमानक प्रयोग
Block-III	**Unit-1 लिप्यान्तरण** • ध्वनि तथा लिपि चिन्ह • देवनागरी तथा अन्य लिपियाँ • विशिष्ट वरण तथा लोगोग्राम **Unit-2 कोश तथा कम्प्यूटर** • कोश प्रयोग तथा कम्प्यूटर पर कोश निर्माण • शब्द वर्ग निर्धारण तथा मशीनरी संसाधन
Block-IV	**Unit-1 हिन्दी की डिजिटल स्थिति** • परिचय • उपयोगिता • प्रयोग विधि

	Unit-2 हिन्दी ई-सामग्री • हिन्दी ई-सामग्री की उपलब्धता • इन्टरनेट पर हिन्दी डोमेन • हिन्दी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग, ई-पाठशाला

प्रस्तावित पुस्तकें

1- भाषा और प्रौद्योगिकी: डॉ० विनोद प्रसाद
2- हिन्दी भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी: डॉ० दीपक राका तुपे
3- हिन्दी का संगणकीय व्याकरण धनजी प्रसाद
4- भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा डॉ० राजेश तिवारी 'विरल'
5- सी. शार्प प्रोगामिंग एवं हिन्दी के भाषिक टूल्स धन जी प्रसाद

चतुर्थ प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - I Year**	**Semester - II**
Subject: Hindi		
Course Code: **A010806T**	Course Title: **B. शोधात्मक लेखन**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- शोध की प्रक्रिया, विषय-निर्धारण आदि का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- शोध-सूची संकलन की विविध प्रणालियों का व्यावहारिक प्रयोग

Course Learning Outcomes

- शोध कार्य की वैज्ञानिक प्रणाली की सैद्धांतिक समझ
- शोध-सूची संकलन की विविध प्रणालियों की समझ

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1 शोध का अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा** • शोध का अर्थ एवं स्वरूप • शोध के विभिन्न पर्याय अनुसंधान, आलोचना, पाठानुसंधान आदि की परिभाषा **Unit-2 शोध की प्रक्रिया एवं निर्धारण** • शोध की प्रक्रिया, विषय-निर्धारण तथा निर्देशन • शोध की प्रारम्भिक आवश्यकतायें
Block-II	**Unit-1 शोध-सूची संकलन की प्रणालियाँ** • शोध-सूची संकलन की विविध प्रणालियाँ- पत्राचार, प्रश्नोत्तरी, साक्षात्कार, शोध-पत्र, आधार-ग्रंथ आदि का पारायण **Unit-2 शोध कार्य की वैज्ञानिक प्रणाली-1** • शोध कार्य की वैज्ञानिक प्रणाली कार्ड-निर्माण, अनुक्रमणिका आदि तैयार करना
Block-III	**Unit-1 शोध कार्य की वैज्ञानिक प्रणाली-2** • शोध कार्य का आकलन, अनुक्रमणिका निर्माण तथा भूमिका लेखन • पाद-टिप्पणी व परिशिष्ट-लेखन, संदर्भ ग्रंथ सूची **Unit-2 शोध कार्य की वैज्ञानिक प्रणाली-3** • पांडुलिपि अवलोकन व सम्पादन • अशुद्धियों का निर्मूलन और प्रबन्ध का प्रस्तुतिकरण
Block-IV	**Unit-1 शोध की भाषा का स्वरूप** • शोध भाषा का स्वरूप, शोध भाषा, समीक्षा भाषा, सर्जनात्मक भाषा में साम्य व वैषम्य • शोध चिन्ह आरेख तथा अंक आदि का उपयोग • अनुच्छेदीकरण, विरामांकन आदि **Unit-2 हिन्दी शोध की पृष्ठभूमि एवं परिदृश्य** • हिन्दी शोध का स्वरूप-विकास, उपलब्धियाँ व सीमाएँ • सोपाधि व निरूपाधि शोध

प्रस्तावित पुस्तकें

1- शोध पद्धतियाँ, डॉ० बी०एल० फड़िया
2- शोध पथ, डॉ० कैलाश चन्द्र शर्मा 'शंकी'
3- शोध क्या, क्यों और कैसे? डॉ० महेन्द्र राजा जैन
4- शोध चरण: डॉ० रामनिवास शर्मा, सौरव गुप्ता
5- हिन्दी अनुसंधान, विजयपाल सिंह
6- अनुसंधान प्रविधि: सिद्धान्त और प्रक्रिया, एस.एन. गणेशन
7- भाषा और हिन्दी भाषा, डॉ. नरेश मिश्रा

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
आरोह तमसो ज्योतिः
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

प्रथम प्रश्नपत्र (कोर)

Programme/Class	M.A. - II Year	Semester – III
Subject: Hindi		
Course Code: A010901T	Course Title: आधुनिक हिन्दी काव्य	
CREDITES: 5	MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75	MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30

Course Objective

- हिंदी साहित्य के आधुनिक काव्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान
- प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी

Block	Unit Detail
Block-I	**Unit-1 नवजागरण और हिन्दी काव्य** • नवजागरणकालीन हिन्दी काव्य • नवजागरण और सामाजिक- सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय चेतना **Unit-2 मैथिलीशरण गुप्त** • साकेत (नवम् सर्ग)
Block-II	**Unit-1 छायावाद** • छायावाद की प्रवृत्तियाँ • जय शंकर प्रसाद: कामायनी - चिन्ता, श्रद्धा सर्ग **Unit-2 छायावाद** • सुमित्रा नन्दन पंतः मौन निमंत्रण • सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला': राम की शक्तिपूजा
Block-III	**Unit-1 छायावादोत्तर काव्य** • आधुनिक कविता की प्रवृत्तियाँ • नागार्जुनः बादल को गिरते रेखा है, अकाल और उसके बाद **Unit-2 नई कविता** • मुक्तिबोधः अंधेरे में • अज्ञेयः असाध्य वीणा
Block-IV	**Unit-1** राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा **Unit-2** दिनकर: कुरूक्षेत्र (छठवां सर्ग)

प्रस्तावित पुस्तकें

1- नयी कविता और अस्तित्ववाद- डॉ० रामविलास शर्मा

2- कविता के नए प्रतिमान- नामवर सिंह

3- कविता की जमीन और जमीन की कविता- नामवर सिंह

4- आधुनिक हिंदी कविता- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

5- समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव

6 साकेत एक अध्ययन- नगेन्द्र

7- मैथिलीशरण गुप्त प्रासंगिकता के अंतःसूत्र- कृष्णदत्त पालीवाल

8- त्रयी (प्रसाद, निराला ओर पंत)- जानकीवल्लभ शास्त्री

9 छायावाद के आधार-स्तंभ- गंगाप्रसाद पाण्डेय

10- हिन्दी प्रबन्ध काव्यों में छायावादी अवधारणा- डॉ० राजेश कुमार तिवारी 'विरल

11- छायावाद- नामवर सिंह

12- पन्त, प्रसाद और मैथिलीशरण- दिनकर

13 अपराजेय निराला- डॉ० आशीष पाण्डेय

14 छायावादी कवियों का सौदर्य-विधान- सूर्यप्रसाद दीक्षित

15- जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी

16- कामायनीः एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध

17- कामायनी के अध्ययन की समस्या-नगेन्द्र

18- निराला की साहित्य साधना, भाग-2- रामविलास शर्मा

19- कवि निराला- नंददुलारे वाजपेयी

20- निराला : आत्महंता आस्था- दुधनाथ सिंह

21- निराला काव्य की छवियाँ- नंदकिशोर नवल

द्वितीय प्रश्न पत्र (**कोर**)

Programme/Class	M.A. - II Year	Semester – III
Subject: Hindi		
Course Code: A010902T	**Course Title: कथेतर गद्य साहित्य**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- हिंदी साहित्य के कथेतर गद्य विधाओं के इतिहास का विश्लेषणात्मक
- विभिन्न लेखकों और उनकी कृतियों का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- हिंदी साहित्य के गद्य का विशिष्ट ज्ञान
- प्रमुख लेखकों व उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी

Block	Unit Detail
Block-I	**Unit-1 निबंध** • रामचंद्र शुक्ल: लोकमंगल की साधनावस्था, कविता क्या है? **Unit-2 निबंध** • हजारी प्रसाद द्विवेदीः कूटज, अशोक के फूल
Block-II	**Unit-1 आत्मकथा** • ओम प्रकाश वाल्मीकिः जूठन **Unit-2 जीवनी** • विष्णु प्रभाकरः आवारा मसीहा
Block- III	**Unit-1 रेखाचित्र** • महादेवी वर्माः स्मृति की रेखाएँ (एक) **Unit-2 संस्मरण** • जगदीश चंद्र माथुरः जिन्होंने जीना जाना
Block-IV	**Unit-1 यात्रावृत्तांत** • अज्ञेयः एक बूंद सहसा उछली (यूरोप मी अमरावतीः रोमा) **Unit-2 पत्र साहित्य** • मुक्तिबोध के पत्र नेमिचंद्र जैन को

प्रस्तावित पुस्तकें-

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
3. निराला की साहित्य-साधना (भाग 1 व 2) रामविलास शर्मा
4. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
5. कवि मन : अज्ञेय
6. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा नंदकिशोर आचार्य
7. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध महादेवी वर्मा
8. चिंतामणि (भाग 1 व 2): रामचंद्र शुक्ल

तृतीय प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - II Year**	**Semester -III**
Subject: Hindi		
Course Code: **A010903T**	Course Title: **A कबीरदास**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- कबीर के जीवन और कृतित्व का समग्र विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- कबीर जीवन और काव्य का विशिष्ट ज्ञान
- उनकी कविता की समझ विकसित होगी

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1 कबीर के अध्ययन की समस्याएँ** • पारंपरिक काव्यशास्त्र एवं कबीर का कवित्व • पारंपरिक काव्य प्रतिमानों की ज्ञान मीमांसा **Unit-2 कविता की पारंपरिक अवधारणा और कबीर** • भक्ति की ज्ञान मीमांसा और उसका विचार लोक • कबीर ग्रन्थावली (आरंभिक 25 पद) : सं० श्याम सुन्दर दास
Block-II	**Unit-1 कबीर की सामाजिक चेतना** • कबीर का काव्य व्यक्तित्व • आध्यात्मिक खोज और सामाजिक आलोचना **Unit-2 भाषा के डिक्टेटर** • कबीर की काव्य भाषा की विशेषताएं • कबीर ग्रन्थावली (पद सं. 26 से 50 तक) : सं० श्याम सुन्दर दास
Block-III	**Unit-1 कबीर काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि** • कबीर की संवेदना की बनावट • कबीर के विचार स्रोत **Unit-2 भक्ति के सामाजिक सरोकार और कबीर** • प्रेम और भावभगति • कबीर ग्रन्थावली (पद सं. 51 से 75 तक): सं० श्याम सुन्दर दास
Block-IV	**Unit-1 कबीर पंथ का विकास** • पंथ निर्माण का ऐतिहासिक तर्क • हिंदी आलोचना और कबीर **Unit-2 कबीर का 'अमरदेसवा' और कबीर पंथ** • पंथ और सामाजिक अस्मिता • कबीर ग्रन्थावली (पद सं 76 से 100 तक): सं० श्याम सुन्दर दास

नोट – व्याख्या के लिए प्राश्निक हेतु कबीर ग्रथवाली : श्यामसुंदर दास , नागरी प्रचारिणी सभा काशी के आधार पर प्रश्न पत्र बना सकते हैं।

प्रस्तावित पुस्तकें

1. कबीर- आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी- राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. कबीर की विचारधारा- गोविन्द त्रिगुणायत साहित्य निकेतन, कानपुर
3. आधुनिक कबीर- राजदेव सिंह
4. उत्तर भारत की संत परम्परा- परशुराम चतुर्वेदी, इलाहाबाद, 1972
5. परशुराम चतुर्वेदी- कबीर साहित्य की परख, इलाहाबाद, 1972
6. नामवर सिंह-दूसरी परंपरा की खोज, नयी दिल्ली-1982
7. रघुवंश-कबीर : एक नयी दृष्टि, इलाहाबाद, 1991
8. धर्मवीर- कबीर के आलोचक, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1997
9. पुरूषोत्तम अग्रवाल-अकथ कहानी प्रेम की, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2021
10. Vaundeville, Cherlotte- A Weaver Named Kabir, Delhi, 1993
11. Vaundeville, Cherlotte- Myths, Saints and Legends in Medieval India, Delhi, 1996
12. Sen, K.M.- Medieval Mysticism of India, Delhi, 1974
13. Schomer and Meleod- The Saints, Delhi, 1987
14. Tagore, R.N.- Hundred Poems of Kabir, Mcmillan, 1912

तृतीय प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	M.A. - II Year	Semester - III
Subject: Hindi		
Course Code: **A010904T**	Course Title: **B सूरदास**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- सूरदास के जीवन और कृतित्व का समग्र विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- सूरदास जीवन और काव्य का विशिष्ट ज्ञान
- उनकी कविता की समझ विकसित होगी

Block	Unit Detail
Block-I	**Unit-1** • सूरदास : जीवन **Unit-2** • सूरदास : रचनाएँ
Block-II	**Unit-1** • कृष्ण काव्य और हिन्दी आलोचना **Unit-2** • कृष्ण कथा की परंपरा और सूरदास
Block-III	**Unit-1** • सूरदास की भक्ति भावना **Unit-2** • सूर का काव्य और किसान जीवन
Block-IV	**Unit-1** • सूरदास की राधा **Unit-2** • भ्रमरगीत सार (आरंभिक 50 पद), सं ० – रामचन्द्र शुक्ल

नोट - व्याख्या के लिए प्राश्निक निम्नलिखित ग्रंथ के आधार पर प्रश्न-पत्र बना सकते हैं।

भ्रमरगीत सार (आरंभिक 50 पद), सं० – रामचन्द्र शुक्ल

प्रस्तावित पुस्तकें-

1- भ्रमरगीत सार - रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2- सूर निर्णय- प्रभुदयाल मित्तल
3- अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय- दीनदयाल गुप्त
4- भक्ति आन्दोलन और सूर काव्य- मैनेजर पाण्डेय
5- सूरदास और उनका साहित्य -हरबंश लाल शर्मा
6- सूर साहित्य -हजारी प्रसाद द्विवेदी
7- सूरदास और उनका काव्य गोवर्धन लाल शुक्ल
8- सूरसौरभ - मुंशीराम शर्मा ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर
9- सूर साहित्य: नवमूल्यांकन रावत चन्द्रभान जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
10- महाकवि सूरदास जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल रवीन्द्र प्रकाशन, आगरा
11- सूर का भ्रमरगीत क अन्वेषण विश्वम्भर नाथ उपाध्याय विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
आरोह तमसो ज्योतिः
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

तृतीय प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	M.A. - I Year	Semester - III
Subject: Hindi		
Course Code: **A010905T**	Course Title: **C तुलसीदास**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- तुलसीदास के जीवन और कृतित्व का समग्र विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- तुलसीदास जीवन और काव्य का विशिष्ट ज्ञान
- उनकी कविता की समझ विकसित होगी

Block	Unit Detail
Block-I	**Unit-1** • भक्तिकालीन परिवेश और तुलसी की कविता **Unit-2** • वर्ण व्यवस्था और तुलसी का समाज
Block-II	**Unit-1** • लोक मंगल एवं समन्वय की भवना **Unit-2** • राम काव्य की परंपरा और तुलसी
Block-III	**Unit-1** • तुलसी का सौन्दर्यबोध **Unit-2** • काव्य-रूप एवं काव्य-भाषा
Block-IV	**Unit-1 निर्धारित पाठ** : व्याख्या के लिए • रामचरित मानस (अयोध्याकाण्ड सम्पूर्ण) • कवितावली, (प्रारम्भ के चार काण्ड) **Unit-2 निर्धारित पाठ** : व्याख्या के लिए • गीतावली (पद सं0 1 से 10 तक) • दोहवाली (प्रारंभ के 100 दोहे)

प्रस्तावित पुस्तकें :

1- गोस्वामी तुलसीदास, रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2- तुलसी दर्शन, बलदेव प्रसाद मिश्र इलाहाबाद
3- तुलसी, उदयभानु सिंह - दिल्ली
4- रामकथा: उत्पत्ति और विकास, कामिल बुल्के - इलाहाबाद
5- राम काव्य और तुलसी, प्रेमशंकर दिल्ली
6- लोकवादी तुलसी, विश्वनाथ त्रिपाठी, दिल्ली
7- तुलसी सर्वेक्षण रामप्रसाद मिश्र - इडियन प्रकाशन, डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली
8- तुलसीदास और उनका काव्य रामनरेश त्रिपाठी, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
9- तुलसी रसायन- भगीरथ सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद
10- तुलसी मानस रत्नाकर- भाग्यवती सिंह, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा

तृतीय प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	M.A. - II Year	Semester - III
Subject: Hindi		
Course Code: **A010906T**	Course Title: **D प्रेमचन्द**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- प्रेमचंद के जीवन और कृतित्व का समग्र विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- उनकी कृतियों का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- प्रेमचंद जीवन और काव्य का विशिष्ट ज्ञान
- उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी

Block	Unit Detail
Block-I	**Unit-1** • प्रेमचन्द युगीन प्रवृत्तियाँ या परिस्थितियाँ **Unit-2** • प्रेमचन्द का व्यक्तिव व कृतित्व
Block-II	**Unit-1** • कथा संग्रह-सोजेवतन **Unit-2** • कहानियाँ- पंच परमेश्वर, ईदगाह, मंत्र
Block-III	**Unit-1** • उपन्यास- कर्मभूमि या रंगभूमि **Unit-2** • उपन्यास- गबन या गोदान
Block-IV	**Unit-1** • प्रेमचन्द की रचनाओं का कथ्य व शिल्प **Unit-2** • प्रेमचन्द्र का मूल्यांकन व साहित्यिक अवदान

प्रस्तावित पुस्तकें-

1. हंसराज रहबर, प्रेमचंद: जीवन और कृतित्व, आत्माराम, दिल्ली-1962
2. अमृतराय, कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद-1962
3. रामविलास शर्मा, प्रेमचंद और उसका युग, राजकमल, दिल्ली-1989
4. कमलकिशोर गोयनका, प्रेमचंद कोश, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली-1981
5. वीर भारत तलवार किसान, राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचन्द, नॉदर्न
बुक सेंटर दिल्ली-1990
6. वीर भारत तलवार, राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य, सरस्वती पुस्तक भण्डार दिल्ली, 1994
7. सत्यप्रकाश मिश्र- गोदान का महत्व, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद-1988
8. मीनाक्षी मुखर्जी- रियलिज्म एण्ड रियालिटी: नॉवेल एण्ड सोसायटी इन इंडिया, ओ यू पी, दिल्ली 1985
9. गीतांजली श्री- बिटविन टू वल्डर्स, मनोहर, दिल्ली, 1989
10. जाफर रजा प्रेमचंद : उर्दू हिन्दी कथाकार, लोकभारती,इलाहाबाद, 1883
11. शिवरानी देवी- प्रेमचंद घर में, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 1981
12. डॉ गोपाल राय- गोदान : अध्ययन की समस्याएं, ग्रंथ निकेतन, पटना, 1966
13. अमृतराय- विविध प्रसंग, खण्ड 1,2,3 हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
14. अमृतराय, मदनगोपाल- प्रेमचंद : चिट्ठी पत्री खण्ड 1,2, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद 1978
15. सं० मंगल मूर्ति- प्रेमचंद : पत्र प्रसंग, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद, 1991
16. सं० कमल किशोर- प्रेमचंद का अप्राप्य साहित्य, खण्ड 1, 2, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 1988
17. मन्मथनाथ गुप्त- प्रेमचंद : व्यक्ति और साहित्यकार, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद, 1961
18. बिक्टर बालिन- कहानीकार प्रेमचंद, अप्रतिम प्रकाशन, दिल्ली, 1993,
19 सं. सदानंद शाही- दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद, प्रेमचंद साहित्य संस्थान, गोरखपुर, 2002
20. सं. आलोक राय, मुश्ताक अली- समक्ष : प्रेमचंद की बीस उर्दू-हिन्दी कहानियों का समान्तर पाठ, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय एवं हंस प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
21. श्रीनारायण पांडे- प्रेमचंद का संघर्ष, शांतिप्रकाशन, इलाहाबाद, 1987
22 नंददुलारे वाजपेयी- प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन, राजकमल, दिल्ली, 2000

तृतीय प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - II Year**	**Semester – III**
Subject: Hindi		
Course Code: **A010907T**	Course Title: **E जयशंकर प्रसाद**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- जयशंकर प्रसाद के जीवन और कृतित्व का समग्र विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- जयशंकर प्रसाद के जीवन और काव्य का विशिष्ट ज्ञान
- उनके साहित्य की बेहतर समझ विकसित होगी

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1** • प्रसाद की दार्शनिक चेतना **Unit-2** • प्रसाद का इतिहास बोध
Block-II	**Unit-1** • छायावादी काव्य दृष्टि और प्रसाद **Unit-2** • कामायनी (एम.ए., प्रथम वर्ष) पाठ्यक्रम में चयनित सर्गों को छोड़कर
Block-III	**Unit-1** • नवजागरण, राष्ट्रीयता और प्रसार **Unit-2** • नाटक- अजातशत्रु, स्कंदगुप्त
Block-IV	**Unit-1** • काव्यकला तथा अन्य निबन्ध **Unit-2** • जयशंकर प्रसाद का मूल्यांकन व साहित्यिक अवदान

प्रस्तावित पुस्तकें -

1-कामायनी सौन्दर्य - फतेह सिंह
2- कामायनी अनुशीलन - रामलाल सिंह
3- प्रसाद का काव्य प्रेमश कर प्रसाद
4- साहित्य : कुछ विचार लक्ष्मीनारायण दुबे
5- जयशंकर प्रसाद नन्द दुलारे वाजपेयी
6- जयशंकर प्रसाद प्रभाकर श्रोत्रिय
7- प्रसाद के नाटक एवं नाट्यशिल्प शान्ति स्वरूप गुप्त
8- प्रसाद के नाटका का शास्त्रीय अनुशीलन- जगन्नाथ शर्मा
9- कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, डा० नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
10- राष्ट्रीय नवजागरण और प्रसाद के नाटक इन्दुमती सिंह साहित्य निलय, कानपुर

तृतीय प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	M.A. - II Year	Semester – III
Subject: Hindi		
Course Code: **A010908T**	Course Title: **F आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल के जीवन और कृतित्व का समग्र विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- उनकी कृतियों का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- आचार्य शुक्ल के जीवन और लेखन का विशिष्ट ज्ञान
- उनके कृतित्व की समझ विकसित होगी

Block	Unit Detail
Block-I	**Unit-1** आचार्य शुक्ल की इतिहास दृष्टि और हिन्दी साहित्य का इतिहास **Unit-2** आचार्य शुक्ल की आलोचना और साहित्य दृष्टि
Block-II	**Unit-1** चिन्तामणि भाग-1, 2 तथा 3 **Unit-2** त्रिवेणी, विचार-वीथी
Block-III	**Unit-1** रस मीमांसा **Unit-2** शशांक (अनूदित उपन्यास)
Block-IV	**Unit-1** बुद्ध चरित (लाइट ऑफ एशिया का अनुवाद) **Unit-2** ग्यारह वर्ष का समय (कहानी) स्फुट कविताएँ

प्रस्तावित पुस्तकें

1- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना राम विलास शर्मा राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2- चिन्तामणि-नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल सिद्धान्त और साहित्य जयचन्द राय ।
4- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल शम्भूनाथ पाण्डेय,
5- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और चिन्तामणि कृष्णदेव शर्मा

चतुर्थ प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - II Year**	**Semester - III**
Subject: Hindi		
Course Code: **A010909T**	Course Title: **A हिन्दी रंगमंच**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- भारतीय, पाश्चात्य और लोक- सांस्कृतिक रंगमंच का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- विभिन्न नाटककारों, निर्देशकों के विचार और रंगकर्म का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- हिंदी साहित्य के नाटकों का विशिष्ट ज्ञान
- प्रमुख नाटककारों, निर्देशकों के मत और रंगकर्म का व्यावहारिक ज्ञान

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1 नाटक और रंगमंच** • नाटक और रंगमच का अन्तःसम्बन्ध • नाटक में दृश्य और श्रव्य तत्वों का समायोजन • नाट्य भेद • भारतीय रूपक- उपरूपकों के भेद (सामान्य परिचय) **Unit-2 नाटक और रंगमंच का स्वरूप** • नाटयोत्पत्ति सम्बन्धी विविध मत • रूपक की अवधारण • नाट्य अध्ययन का स्वरूपः नाटक का विध्धागत वैशिष्ट्य
Block-II	**Unit-1 पारम्परिक नाट्य-रूपक** • रामलीला, रासलीला, स्वांग, नौटंकी, माच, ख्याल, विदेसिया आदि **Unit-2 पाश्चात्य नाटक** (सामान्य परिचय)
Block-III	**Unit-1** नाट्य-विधान, भारतीय व पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों का विस्तृत विवेचन **Unit-2** रंगमंच के प्रकार,रंगशिल्प, रंग राम्प्रेषण के विविध घटक (मूर्त एवं अमूर्त)
Block-IV	**Unit-1** विश्व के प्रमुख रंग चिन्तकः भरत-स्तानिस्लाव्स्की, ब्रेख्त के अभिनय सिद्धान्त, हिन्दी रंगमंच का संक्षिप्त इतिहास **Unit-2** पारसी, पृथ्वी थियेटर, इप्टा, प्रमुख सरकारी रंग संस्थाएँ, नुक्कड़ नाटक

प्रस्तावित पुस्तकें -

1- नाट्य शास्त्र : राधा वल्लभ त्रिपाठी
2- रंगदर्शन: नेमिचन्द्र जैन
3- पारम्परिक भारतीय रंगमंच कपिला वात्स्यायन
4- परंपराशील नाट्य: जगदीशचन्द्र माथुर
5- रंगमंच और नाटक की भूमिका लक्ष्मी नारायण लाल
6- हिन्दी नाटक और रंगमंच वेस्ट का प्रभाव : सुरेश वशिष्ट
7- भारत की हिन्दी नाट्य संस्थायें एवं नाट्यशालायें: विश्वनाथ शर्मा
8- रंगमंच: सर्वानन्द
9- रंगकर्म: वीरेन्द्र नारायण
10- भारतीय रंगकोश सम्पादक प्रतिभा अग्रवाल
11- भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच सीताराम चतुर्वेदी
12- What is Theatre: Eric Bentley

चतुर्थ प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - II Year**	**Semester - III**
Subject: Hindi		
Course Code: **A010910T**	Course Title: **B साहित्य एवं सिनेमा**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective
- हिंदी सिनेमा और साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- हिंदी सिनेमा और साहित्य की प्रस्तुति माध्यमों का व्यावहारिक ज्ञान

Course Learning Outcomes
- हिंदी सिनेमा और साहित्य की सैद्धांतिक समझ
- हिंदी सिनेमा और साहित्य की जगत के विश्लेषण की क्षमता

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1** • साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप (विद्यागत परिचय) सिनेमा की अवधारणा, साहित्य और सिनेमाः सैद्धान्तिक पक्ष **Unit-2** • सिनेमा में प्रयुक्त साहित्यिक विधाएँ-उपन्यास, कहानी, जीवनी, नाटक, आत्मकथा, संस्मरण गीत आदि
Block-II	**Unit-1** • साहित्य एवं सिनेमा की रचना प्रक्रिया-शब्द, वाक्य, अनुच्छेद और शॉट, सीन, सीक्वेल, कथा-कथोपन और पटकथा **Unit-2** • संवाद काव्य और सिनेमाई गीत, नाटक और सिनेमा, लेखक और निर्देशक, पाठक और दर्शक
Block-III	**Unit-1** • हिन्दी सिनेमा का उद्भव-विकास, प्रारंभिक पृष्ठभूमि, प्रथम भारतीय फिल्म, सवाक् फिल्मों से स्वतंत्रता प्राप्ति तक (1931-1947) **Unit-2** • आजादी क बाद से आपातकाल तक (1948-1977), आपातकाल से भूमंडलीकरण के पूर्व तक, भूमण्डलीकरण से वर्तमान तक
Block-IV	**Unit-1** • हिन्दी साहित्यकारों की कृतियों पर बनी फिल्मों का परिचय। फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी पर 'मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम' **Unit-2** • शैलेन्द्र कृत 'तीसरी कसम' केशवप्रसाद मिश्र के उपन्यास पर राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'नदिया के पार' तथा 'हम आपके हैं कौन' फिल्म की समीक्ष

प्रस्तावित पुस्तकें

1- जलक्षत्रिय, नीरा- साहित्य और सिनेमा का अंतर्सम्बन्ध, शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013
2- रंगून वाला, फिरोज- भारतीय चलचित्र का इतिहास, राजपाल एंड सन्स, नई दिल्ली, 1975
3- कुमार हरीश- सिनेमा और साहित्य, संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2013
4- राही, मासूम रजा- सिनेमा और सस्कृति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2001
5- पटकथा लेखन मनोहर श्याम जोशी
6- समय सिनेमा और इतिहास संजीव श्रीवास्तव
7- हिन्दी सिनेमा सदी का सफर अनिल भार्गव
8- साहित्य सिनेमा और समाज पूरन चन्द्र टंडन, सुनील कुमार तिवारी

प्रथम प्रश्न पत्र (**कोर**)

Programme/Class	**M.A. - II Year**	**Semester - IV**
Subject: Hindi		
Course Code: A011001T	**Course Title: अस्मितामूलक विमर्श**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- अस्मिताओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- अस्मितामूलक अध्ययन की समझ और भारतीय एवं पाश्चात्य विचारे

Course Learning Outcomes

- विभिन्न अस्मिता की समझ
- अस्मिता की निर्मिति, विभेदन, इतिहास और अन्य अवधारणाओं की समझ

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1 अस्मिता : हिन्दी साहित्य** • अस्मिता : अवधारणा और सिद्धांत • अस्मिता और हिन्दी साहित्य **Unit-2 स्त्री एवं दलित अस्मिता और हिन्दी साहित्य** • स्त्री अस्मिता और हिन्दी साहित्य • दलित अस्मिता और हिन्दी साहित्य
Block-II	**Unit-1 स्त्री अस्मिता** • स्त्री विमर्श और नारीवाद • स्त्री मुक्ति आंदोलन- ऐतिहासिक रूपरेखा **Unit-2 प्रमुख स्त्रीवादी चिंतक एवं प्रतिनिधि स्त्री अस्मिता ग्रंथ** • प्रमुख स्त्रीवादी चिंतक • प्रतिनिधि स्त्रीअस्मिता ग्रंथों का परिचय (पाठ्य क्रम में सम्मिलित किसी कृति पर स्त्री विमर्श का विश्लेषण
Block-III	**Unit-1** • दलित अस्मिता, दलित का आशय, दलित की अवधारणा, दलित साहित्य के सरोकार • प्रतिनिधि दलित साहित्यकार (पाठ्यक्रम में सम्मिलित किसी कृति पर दलित विमर्श का विश्लेषण) **Unit-2 दलित साहित्य की सैद्धांतिकी** • फूले – अंबेडकरवाद, बौद्ध धम्म एवं दर्शन, अस्मितावाद एवं दलित सौन्दर्यशास्त्र
Block-IV	**Unit-1 आदिवासी अस्मिता** • आदिवासी अस्मिता- सरोकार और सवाल **Unit-2 आदिवासी साहित्य** • प्रतिनिधि दलित साहित्यकार (पाठ्यक्रम में सम्मिलित किसी कृति परआदिवासी विमर्श का विश्लेषण)

प्रस्तावित पुस्तकें-

1. Feminist Thought: A Comprehensive Introduction Tony Roserway
2. स्त्री उपेक्षिता: सीमोन द बुआ
3. दलित साहित्य विशेषाक: हंस पत्रिका
4. अम्बेडकर समग्र प्रकाशन विभाग भारत सरकार
5. हिन्दी में आदिवासी साहित्य, मुस्ताक अली
6. भारतीय आदिवासी लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा
7. आदिवासी साहित्य यात्रा : रमणिका गुप्ता
8. भारतीय आदिवासी उनकी संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि: ललित प्रसाद विद्यार्थी
9. आदिवासी भाषा और साहित्य सम्पादक रमणिका गुप्ता

द्वितीय प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - I Year**	**Semester - I**
Subject: Hindi		
Course Code: **A011002T**	Course Title: **A नीतिकाव्य**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective
- नीति काव्य की अवधारणा, नीति के रूप का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- हिन्दी में नीति काव्य परम्परा से परिचय

Course Learning Outcomes
- विभिन्न नीति काव्यों की समझ
- नीति काव्यों की निर्मिति और इतिहास की समझ

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1 नीति काव्य की अवधारणा तथा अर्थ** • नीति काव्य की अवधारणा • नीति की परिभाषा तथा अर्थ **Unit-2 हिन्दी और नीति काव्य** • नीति के रूप • हिन्दी में नीति काव्य परम्परा
Block-II	**Unit-1 कवि वृंद** • कवि वृंद: नीति सतसई (वृंद ग्रंथावली) दोहा संख्या-1 से 20 **Unit-2 रैदास** • रैदास (रैदास वाणी) पद संख्या - 43, 65, 79
Block-III	**Unit-1 बोधा** • कवि बोधा: इश्कनामा, बोध ग्रंथावली: सं. - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र छंद संख्या 1 से 20 **Unit-2 रज्जब** • कवि रज्जबः रज्जब-वाणी: सं. बृजलाल वर्मा गुरूदेव के अंग- 1-5 छंद, सबद के अंग 1-5 छंद, पीव पिछान का अंग 1-5 छंद, विरह का अंग-1-5 छंद (कुल 20 पद)
Block-IV	**Unit-1 हिन्दी में नीति काव्य परम्परा और रहीम** **Unit-2 रहीम दोहावली** • रहीम दोहावली दोहा सं0- 31, 66, 78, 100, 190, 207, 230, 240, 254, 276

प्रस्तावित पुस्तकें-

1. वृंद ग्रन्थावलीः जनार्दन राव चेलेर
2. वृंद और उनका काव्य, जनार्दन रावच चेलेर
3. बोधा- गीता शर्मा
4. सोमनाथ व्यक्तित्व और कृतित्व: पूरनचंद टडन
5. सोमनाथ ग्रन्थावली (खंड-क, दो, तीन) सं. सुधाकर पांडेय
6. सोमनाथ-रत्नावली: सं. ओंकारनाथ पाण्डेय
7. संत रज्जब अलीः वाणी और विचार- रमेश चन्द्र मिश्र
8. रज्जव वाणीः डॉ0 बृजलाल वर्मा
9. संत काव्य संग्रहः सम्पादक परशुराम चतुर्वेदी

द्वितीय प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - II Year**	**Semester - IV**
Subject: Hindi		
Course Code: **A011003T**	Course Title: **B शैलीविज्ञान**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान और शैलीविज्ञान की समझ
- शैलीविज्ञान की समझ से कृति की संरचना और उपांगों की समझ

Course Learning Outcomes

- शैलीविज्ञान और साहित्यिकता की समझ
- कृति विश्लेषण की क्षमता

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1 शैली और शैलीविज्ञान** • शैली की अवधारणा: भारतीय एवं पाश्चात्य • शैलीविज्ञान: स्वरूप और क्षेत्र **Unit-2 शैलीविज्ञान: भाषा और सर्जनात्मकता** • शैलीविज्ञान में वस्तुनिष्ठ समीक्षा की प्रक्रिया • भाषा और सर्जनात्मकता: शैलीविज्ञान का मूल आधार
Block-II	**Unit-1 शैलीविज्ञान: विभिन्न संकल्पनाएँ**-1 • अग्रगामिता • चयन • विचलन **Unit-2 शैलीविज्ञान: विभिन्न संकल्पनाएँ-2** • समानांतरता • अप्रस्तुत विधान • बहुअर्थता
Block-III	**Unit-1 शैलीविज्ञान: भाषा की प्रकृति**-1 • सामान्य भाषा • मानक एवं शास्त्रभाषा **Unit-2 शैलीविज्ञान: भाषा की प्रकृति**-2 • शैलीविज्ञान: साहित्य भाषा • साहित्य भाषा के विश्लेषण के तत्व: ध्वनि, शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ, प्रोक्ति, बिम्ब और प्रतीक
Block-IV	**Unit-1 शैली-विश्लेषण-1** • पाठ की संरचना, गठन और संसक्ति • विन्यासक्रमी - सहचारक्रमी, लेखीय शैली-विश्लेषण **Unit-2 शैली-विश्लेषण-2** • काव्यभाषा-विश्लेषण • गद्यभाषा-विश्लेषण

प्रस्तावित पुस्तकें-

1. शैलीविज्ञान: भोलानाथ तिवारी
2. संरचनात्मक शैलीविज्ञान: रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
3. शैलीविज्ञान: सुरेश कुमार
4. शैली और शैलीविज्ञान: सं. सुरेश कुमार और रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
5. शैली और शैली विश्लेषण: पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु

तृतीय प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - II Year**	**Semester - IV**
Subject: Hindi		
Course Code: **A011004T**	Course Title: **A भारतीय साहित्य**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- भारतीय साहित्य की आधुनिकता का विश्लेषणात्मक ज्ञान
- विभिन्न लेखकों और उनकी रचनाओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- भारतीय साहित्य की विशिष्ट समझ
- प्रमुख लेखकों की समझ विकसित होगी

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1** • भारतीय साहित्य का स्वरूप **Unit-2** • भारतीय साहित्य की संकल्पना
Block-II	**Unit-1** • हिन्दीत्तर भाषाओं में से किसी एक भाषा के साहित्य एवं भाषिक स्वरूप का अध्ययन **Unit-2 काव्य** • वर्षा की सुबह- शीताकांत महापात्र (उड़िया) (पाँच कविताएँ) - वर्षा की सुबह,हम शब्द, जाड़े की सांझ समुद्र तट,चूल्हे की आग
Block-III	**Unit-1 काव्य** • सुब्रमण्यम भारती (तमिल) (पाँच कविता), वन्दे मातरम, यह है भारत देश हमारा, आजादी का एक पल्लू, निर्भय, जा जर्जरित भारत तू जा, आ नवभारत तू आ **Unit-2** • भारतीय गद्य साहित्य
Block-IV	**Unit-1 भारतीय गद्य साहित्य** • अग्निगर्भ- महाश्वेती देवी (बांग्ला) **Unit-2 भारतीय गद्य साहित्य** • मृत्युंजय- शिवाजी सांवत (मराठी)

प्रस्तावित पुस्तकें-

1- भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा: विजय शंकर मिश्रा
2- आज का भारतीय साहित्यः साहित्य अकादमी
3- भारतीय साहित्य की भूमिका: रामविलास शर्मा
4- इंद्रप्रस्थ: भारती का भारतीय साहित्य विशेषांक, जुलाई-सितम्बर, 2002

तृतीय प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - IIYear**	**Semester - IV**
Subject: Hindi		
Course Code: **A011005T**	Course Title: **B हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- हिन्दीतर क्षेत्रों के हिन्दी साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान
- विभिन्न क्षेत्रों के लेखकों और उनकी रचनाओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- हिन्दीतर क्षेत्रों के हिन्दी साहित्य की विशिष्ट समझ
- प्रमुख लेखकों की समझ विकसित होगी

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1** • हिन्दीतर क्षेत्रों का संक्षिप्त परिचय **Unit-2** • हिन्दीतर क्षेत्रों का सांस्कृतिक परिचय
Block-II	**Unit-1** • संविधान की अनुसूची में वर्णित हिन्दीतर भाषाओं का संक्षिप्त **Unit-2** • उत्तर भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय
Block-III	**Unit-1** • पूर्वोत्तर भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय **Unit-2** • दक्षिण भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय
Block-IV	**Unit-1** • पश्चिमी भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय **Unit-2** • पूर्वी भारत के हिन्दीतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य तथा कार्यरत संस्थाओं का परिचय

प्रस्तावित पुस्तकें -

1- केरल में हिन्दी भाषा और साहित्य का विकास: डॉ0 एन.ई. विश्वनाथ अय्यर
2- हिन्दी के निर्माता: कुमुद शर्मा
3- हिन्दी साहित्य को हिन्दीतर प्रदेशों की देन: डॉ0 मलिक मोहम्मद
4- दक्षिण भारत में हिन्दी: रमेश शर्मा

चतुर्थ प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - II Year**	**Semester - IV**
Subject: Hindi		
Course Code: **A011006T**	Course Title: **A हिन्दी विज्ञान लेखन**	
CREDITES: 5	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- हिंदी में विज्ञान लेखन का इतिहास और स्वरूप का विश्लेषणात्मक ज्ञान
- विभिन्न लेखकों और उनकी रचनाओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- हिंदी के विज्ञान साहित्य की विशिष्ट समझ
- प्रमुख लेखकों की समझ विकसित होगी

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1 विज्ञान लेखन की अवधारणा और हिंदी** • हिंदी में विज्ञान लेखन का इतिहास • हिंदी में विज्ञान लेखन की समस्या, चुनौतियां और संभावना, • विज्ञान लेखन के विभिन्न स्वरूप **Unit-2 रोजमर्रा के जीवन में विज्ञान की भूमिका** • विज्ञान लेखन का स्वरूप-कथा और कथेतर • विज्ञान लेखन के विविध पक्ष-सामान्य विज्ञान, पर्यावरण संबंधी लेखन, प्रोद्यौगिकी सबधी लेखन • विज्ञान आधारित पुस्तकों, पत्र, पत्रिकाओं आदि का अध्ययन
Block-II	**Unit-1 हिंदी के विज्ञान लेखकों का अध्ययन-1** • संरचना, शैली, आख्यान, वाचिकता का अध्ययन **Unit-2 हिंदी के विज्ञान लेखकों का अध्ययन-2** • गुणाकर मुले का साहित्य • देवेंद्र मेवाड़ी का साहित्य
Block-III	**Unit-1 संचार माध्यम और विज्ञान लेखन-1** • प्रिंट मीडिया में विज्ञान लेखन की स्थिति **Unit-2 संचार माध्यम और विज्ञान लेखन-2** • टेलीविजन और विज्ञान लेखन • न्यू मीडिया और विज्ञान लेखन
Block-IV	**Unit-1 व्यावहारिक विज्ञान लेखन-1** • सिद्धांत, प्रामाणिकता और स्त्रोत • विज्ञान लेखन के रूप-खबर, कथा, कथेतर **Unit-2 व्यावहारिक विज्ञान लेखन-2** • विज्ञान लेखन के लक्षित पाठक और लेखन • विज्ञान लेखन की शब्दावली

प्रस्तावित पुस्तकें+-

1- शिव गोपाल मिश्र, हिंदी में विज्ञान लेखन: भूत, वर्तमान और भविष्य, 2015
2- शिव गोपाल मिश्र, हिंदी में विज्ञान लेखन के सौ वर्ष, विज्ञान प्रसार, 2003
3- गुणाकर मुले, प्राचीन भारत के महान वैज्ञानिक, राजकमल प्रकाशन, 2003,
4- गुणाकर मुले, भारतीय विज्ञान की कहानी, राजकमल प्रकाशन, 2003,
5- देवेंद्र मेवाड़ी, सौरमंडल की सैर, नेशनल बुक ट्रस्ट, 2012-
6- देवेंद्र मेवाड़ी, मेरी प्रिय विज्ञान कथा., आधार प्रकाशन, 2011

चतुर्थ प्रश्न पत्र (**वैकल्पिक**)

Programme/Class	**M.A. - I Year**	**Semester - I**
Subject: Hindi		
Course Code: **A011007T**	Course Title: **B हिन्दी के क्षेत्र, लोक-शैलियाँ और लोक-साहित्य के विविध आयाम**	
CREDITES**: 5**	**MAX. MARKS (CIA+ESE) 25+75**	**MIN PASSING MARKS (CIA+ESE) 10+30**

Course Objective

- हिंदी: लोक-संस्कृति और साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान
- विभिन्न लोक शैलियों और लोक-साहित्य का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

- हिंदी के क्षेत्र के लोक साहित्य की विशिष्ट समझ
- प्रमुख लोक-शैलियों और लोक-साहित्य की समझ विकसित होगी

Block	**Unit Detail**
Block-I	**Unit-1** • हिंदी: लोक-संस्कृति क्षेत्र **Unit-2** • हिंदी: और लोक-शैलियाँ •
Block-II	**Unit-1** • लोकगीत, देवीगीत **Unit-2** • संस्कारगीत, ऋतुगीत, श्रमगीत •
Block-III	**Unit-1** • लोकगाथा, लोकआख्यान **Unit-2** • पंडवानी •
Block-IV	**Unit-1** • रामलीला, नौटंकी **Unit-2** • स्वांग, बिदेसिया •

प्रस्तावित पुस्तकें-

1. Cutlure as Paramix : Zygmunt Bauman
2. Archaeology and Folklore : Amy Gazin-Schwartz - Cornelins J. Holtorf (Edt)
3. Theory and History of Folkore: Vladimir Propp
4. Folkare, Myths and Legends : Donna Rosenberg
5. Folk Culture in India : S.P. Pandey, Awadhesh Kumar Singh
6. Folk Culture in India : Dr. M. Kirti Singh
7. An Outline of the Cultural History of India: Syed Abdul Latif
8. Malabar and its Folk : T. K. Gopal Panikkar
9. Facets of Indian Culture: Dr. P.C. Muraleemadhavan (Edt.)
10. Mirrors of Indian Culture : Krishna Murthy
11. Varia Folkorica : Alan Dundes (Edt.)
12. Folkways in Rajasthan : V.B. Mathur
13. Folkales of U.P. Tribes : Amir Hasan & Seemin Hasan
14. Indian Folk tales of North-East : Tamo Mibang, P.T. Abrahan
15. Traditions of Indian Folk Dance : Kapila Vatsyayan
16. Many Ramayana : Richman 17. Folk Life : (Journal)
17. लोक नाट्य सांग: आज और कल: पूर्णचंद शर्मा
18. भारतीय लोकगीत सांस्कृतिक अस्मिता: सुरेश गौतम
19. लोक का आलोक: सं. पीयूष दहिया
20. लोक: सं. पीयूष दहिया
21. लोक-साहित्य विज्ञान: सत्येंद्र
22. लोक-साहित्य की भूमिकाः धीरेंद्र वर्मा
23. लोक साहित्य का अध्ययन: त्रिलोचन पाण्डेय
24. लोक साहित्य की भूमिका: कृष्णदेव उपाध्याय
25. लोक साहित्य: सुरेश गौतम
26. लोक नाट्य सांग: कल और आज: पूर्णचंद शर्मा
27. भारतीय लोक अवधारणाओं के आधार एवं स्वरूप: प्रताप सिंह
28. लोकगीत पाठ एवं विमर्श: सत्य प्रिय पांडेय
29. लोक आख्यान परम्परा और परिदृश्य: श्याम सुंदर दुबे
30. लोक साहित्य विमर्श: श्याम परमार
31. लोक साहित्य और लोक संस्कृति: दिनेश्वर प्रसाद
32. लोक संस्कृति और प्रयोग: श्रीराम शर्मा
33. भारतीय लोक साहित्य: श्याम परमार

PROGRAMME UNDER D-CODE, CSJM UNIVERSITY, KANPUR

ONLINE MODE

- ☑ Master of Computer Applications (MCA)
- ☑ Bachelor of Computer Application (BCA)
- ☑ M.Com
- ☑ B.Com.
- ☑ Master of Business Administration (MBA)
- ☑ Bachelor of Business Administration (BBA)

OPEN AND DISTANCE LEARNING MODE (ODL)

- ☑ Master of Computer Applications (MCA)
- ☑ Bachelor of Computer Application (BCA)
- ☑ Master of Business Administration (MBA)
- ☑ Bachelor of Business Administration (BBA)
- ☑ M.Com., B.Com.
- ☑ MA (Education, MA Economics, MA Philosophy, MA Hindi, MA English)
- ☑ MA Political Science
- ☑ BA (Education, History, Economics, Hindi, Sociology Political Science, English)

PROGRAMME UNDER REGULAR MODE AT CSJM UNIVERSITY CAMPUS, KANPUR

ATAL BIHARI VAJPAYEE SCHOOL OF LEGAL STUDIES

L.L.B. (Hons.), L.L.M., B.A. L.L.B. (Hons.), B.B.A. L.L.B. (Hons.), Certificate Course in Intellectual Property Rights (IPR)

SCHOOL OF ADVANCED AGRICULTURE SCIENCES & TECHNOLOGY

M.Sc. (Ag) Horticulture (Fruit Science)/ Agronomy/Horticulture (Vegetable Science)/Horticulture (Floriculture & Land Scaping)
M.Sc. (Food Science & Technology), B.Sc. (Hons.) Agriculture

SCHOOL OF ARTS, HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES

MA in Rural Management & Extension, M.A. (Hindu Studies), Master of Arts in Public Health, M.A. (Journalism and Mass Communication), Lateral entry, M.A. (Film Making), M.A. (Digital Journalism), M.A. Economics, Master of Social Work, M.A. Sociology, M.A. Jyotirvigyan, Master of Library & Information Science, (M. Lib. & I.Sc.), B.A. (Hons.) Sociology, B.A. (Hons.) Psychology, B.A. (Hons.) Economics, B.A. (Hons) Philosophy, B.A. Political Science (Hons), B.A. (Combination), Bachelor of Library & Information Science (B. Lib. & I.Sc.), B.A. (Journalism and Mass Communication), PG Diploma in Guidance and Counselling, Diploma in Digital Humanities, Post Graduate Diploma in Journalism and Mass Communication (PGDJMC), Certificate in Social Media, Certificate in TV Journalism, Diploma in Karmkand

SCHOOL OF BASIC SCIENCES

M.Sc. Physics/Chemistry/Industrial Chemistry/Mathematics, M.Sc./MA Geography, B.Sc. (Hons.) Physics,/Chemistry,/Mathematics, B.Sc. (Physics, Chemistry, Mathematics). B.Sc. (Physics, Chemistry, Geography), B.Sc. (Physics, Chemistry, Computer Applications), B.Sc. (Chemistry, Mathematics, Geography), B.Sc. (Chemistry, Mathematics, Computer Applications), B.Sc. (Physics, Mathematics, Computer Applications), B.Sc. (Physics, Mathematics, Geography), B.Sc. (Physics, Mathematics, Statistics)

SCHOOL OF BUSINESS MANAGEMENT

MBA, M.Com, Master of Hospital Management (MHA), BBA, B.Com. (Hons.)

SCHOOL OF CREATIVE & PERFORMING ARTS

Master of Fine Arts (Painting/Applied Arts/Sculpture), Master of Arts (Drawing & Painting), M.A. Music (Vocal/Instrumental-Tabla/Instrumental-Sitar), Master of Performing Arts (Kathak), Bachelor of Fine Arts (Painting/Applied Art/Sculpture), Bachelor of Performing Arts (Kathak, Bachelor of Performing Arts (Tabla), Bachelor of Performing Arts (Vocal), Certificate Course (Painting/Applied Art/Sculpture/Photography/Graphic Design/3D Animation/3D Modelling), Diploma in Kathak

SCHOOL OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY

M.Tech. Program in Nano-Science and Nano Technology, M. Tech. in Computer Science and Engineering, M. Tech. in Electronics and Communication Engineering, Master of Computer Application (MCA), Integrated M.Sc. Electronics (Specialization in VLSI and IOT), B. Tech. in Computer Science and Engineering, B. Tech. in Computer Science and Engineering (Artificial Intelligence), B. Tech. in Information Technology, B. Tech. in Electronics and Communication Engineering, B. Tech. in Chemical Engineering, B. Tech. in Chemical Engineering (Lateral entry), B. Tech. in Mechanical Engineering, B. Tech. in Mechanical Engineering (Lateral entry), Bachelor in Computer Application (BCA), B.Voc. (Interior Design), Bachelor of Design (B.Des. Interior Design), Diploma in Chemical Engineering, Diploma in Electrical Engineering, Diploma in Mechanical Engineering, Diploma in Metallurgy and Material Technology, Diploma in Fashion Technology

SCHOOL OF HEALTH SCIENCES

Master of Physiotherapy (M.P.T.) in Orthopaedics/Sports/Cardiopulmonary Disorders/ Neurology, M.Sc. Human Nutrition (M.Sc. HN), M.Sc. Medical Laboratory Technology, (M.Sc.MLT) in Clinical Biochemistry/Medical Microbiology and Immunology /Pathology, Bachelor of Physiotherapy (BPT), B.Sc. in Medical Laboratory Technology (B.Sc. MLT), B.Sc. Medical Microbiology (B.Sc. MM), Bachelor in Medical Radiologic and Imaging Technology (BMRIT). Bachelor of Optometry (B. Optom.), B.Sc. in Human Nutrition (B.Sc. HN), Certificate Course in Garbh Sanskar.

SCHOOL OF HOTEL MANAGEMENT

Master of Hotel Management and Catering Technology (MHMCT), Bachelor of Hotel Management and Catering Technology (BHMCT), Diploma in Front Office/Food & Beverage Service/Food Production/Bakery & Confectionery

SCHOOL OF LANGUAGES

M.A. English, M.A. Hindi, M.A. Sanskrit, B.A. (Hons.) English, B.A. (Hons.) Hindi, B.A. (Hons.) Sanskrit, B.A. Combination, Certificate Course in Russian/German/French

SCHOOL OF LIFE SCIENCES AND BIOTECHNOLOGY

M.Sc. Integrated Biotechnology, M.Sc. Life Sciences, M.Sc. Biotechnology, M.Sc. Biochemistry, M.Sc. Microbiology, M.Sc. Environmental Science and Technology, M.Sc. Environmental Science and Technology (Lateral Entry), M.Sc. Botany (Plant Sciences),B.Sc. (Hons) Biotechnology, B.Sc. (Hons) Biological Sciences, B.Sc. (Biochemistry, Botany, Zoology), B.Sc.- Integrated Biotechnology

SCHOOL OF PHARMACEUTICAL SCIENCES

M. Pharm. (Pharmaceutics), M. Pharm. (Pharmaceutical Chemistry), M. Pharm. (Pharmacology, B. Pharm., B. Pharm. (lateral entry), D. Pharm

SCHOOL OF TEACHER EDUCATION

M.Ed., M.P.Ed. (Master of Physical Education, M.Sc. Yoga, M.A. Yoga, B.Ed., B.P.Ed. (Bachelor of Physical Education, B.P.E.S. (Bachelor of Physical Education & Sports), B.Sc. Yoga, P.G.D.Y.ED. (Post Graduate Diploma in Yoga Education)

शिक्षा
मंथन

स्वर्ण जयंती पुरुष छात्रावास
Swarn Jayanti Boys Hostel
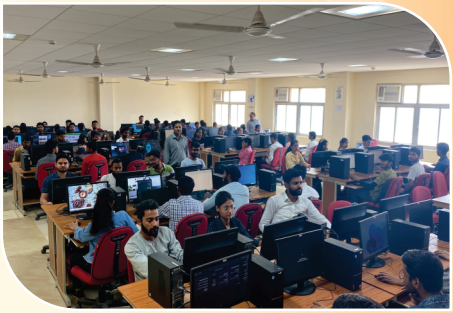
स्टेडियम | Stadium